PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 167 ● भिलाई, बुधवार 07 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पुलिसकर्मियों ने 50 लाख कैश और 2 केजी सोना किया गायब

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले स्थित लालगंज थाना क्षेत्र में चोरी की जांच करते-करते पुलिस अधिकारी खुद ही फंस गए, जहां थानाध्यक्ष और एक दारोगा पर आरोप है कि उन्होंने जब्त किए गए सामान को जब्ती में दर्ज न करके खुद उसे गायब कर दिया। जब पूरे मामले की जांच की गई तो इनकी पोल खुल गई, तब वैशाली अधीक्षक ललित मोहन शर्मा ने लालगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार और दरोगा सुमन झा को निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 30 दिसंबर को लालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिलनपुर निवासी रामप्रीत सहनी के आवास पर प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर लालगंज थाना द्वारा छापेमारी की गई। इस छापेमारी का नेतृत्व थानाध्यक्ष लालगंज पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार द्वारा किया गया। छापेमारी के क्रम में चोरी की सामग्री बरामद हुई है, जिसमें तीन टीवी, दो जिंदा कारतूस, एक कारतूस एवं कुछ तांबा और अन्य धातु के बर्तन की बरामदगी दर्शाई गई।

जवान ने चलती ट्रेन के आगे लेटकर दी जान; वजह तलाशने में जुटी पुलिस

विशाखापत्तनम । आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित दुव्वाड़ा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां भारतीय सेना के एक सेवारत जवान ने प्लेटफार्म नंबर-1 पर आ रही चलती ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान नीलमपु वेंकट रेड्डी के रूप में हुई है, जो विशाखापत्तनम के पेड़ागांटयाडा इलाके के रहने वाले थे। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे देखकर किसी का भी दिल दहल जाए। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि ट्रेन के प्लेटफार्म पर पहुंचने से ठीक पहले वेंकट रेड्डी अचानक पटरी पर उतर जाते हैं और ट्रैक पर लेट जाते हैं। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता या उन्हें रोक पाता, तेज रफ्तार ट्रेन उनके ऊपर से गुजर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह सब इतनी जल्दी हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला।

इंडियन ऑयल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर की 17वीं मंजिल से गिरकर दर्दनाक मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-104 स्थित एक पॉश हाईराइज सोसायटी में सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय गर्ग (55) की 17वीं मंजिल से नीचे गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद सोसायटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि घटना सुबह करीब 10:20 बजे की है। अजय गर्ग अपनी पत्नी मयूरी गर्ग से बातचीत करने के बाद मोबाइल पर किसी को कॉल करने के लिए बालकनी की तरफ गए थे।

एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट जारी...वेबसाइट पर चेक करें नाम

यूपी में 12 करोड़ 55 लाख से ज्यादा मतदाता-निर्वाचन अधिकारी रिणवा

लखनऊ/ एजेसी

यूपी में एसआईआर की पहली रफ सूची जारी हो गई है। अब लोग चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में 12.55 करोड़ मतदाता है। पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ यानी 18 फीसदी नाम कट गए। 6 जनवरी से दावे-आपत्तियां की जा सकती हैं। जिनके भी नाम पहली ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक फॉर्म 6 भरकर जमा कर सकते हैं। ताकि उनका नाम जोड़ा जा सके। 6 मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी। दावे और आपत्तियां मुफ्त हैं। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर-1950 जारी किया है, जहां सहायता ली जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में कम सहयोग को देखते हुए आयोग ने विशेष कैंप लगाने की योजना बनाई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- एक जनवरी 2008 से पहले जन्मे लोग फार्म भर सकते हैं। एक अक्तूबर से जो एलिजेबल हो रहे हैं, वे फार्म भर सकते हैं। जिनका फॉर्म मिला है, उनकी मैपिंग नहीं है। उन्हीं को नोटिस दिया जाएगा। छह मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आप वेबसाइट से सीधे अपना नाम देख सकते हैं। 27 अक्टूबर 2025 से प्रक्रिया शुरू हुई। 4 नवंबर से पहला चरण शुरू हुआ। उस वक्त 15 करोड़ 30 हजार 92 मतदाता थे। सभी का गणना प्रपत्र प्रिंट आउट लिया था।

प्रपत्र घर-घर जाकर दिए गए। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 15 करोड़ के ऊपर जो मतदाता थे उसमें उन्होंने खुद या परिवार के किसी ने हस्ताक्षर करके दिया वह थे। पुरानी मतदाता सूची का लगभग 81 प्रतिशत लोगों ने साइन करके वापस किया और जिन्होंने नहीं दिया वह लगभग 18 प्रतिशत हैं। जिन्होंने नहीं दिए वापस फॉर्म उनके कई कारण थे। मृतक वोटरों की संख्या 46.23 लाख थी और स्थांतरित, यानि शिफ्ट करके जो वोटर चले गए हैं उनकी संख्या 2.17 करोड़ है। वहीं जो एक से ज्यादा स्थान पर नाम दर्ज पाए गए 25.47 लाख थे। जिनका नाम ड्राफ्ट में नहीं आया वह कुल 2.89 करोड़ हैं। अगर किसी वोटर का नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है तो वे 6 फरवरी तक अपना दावा और आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। नए वोटरों और जिनके नाम हटा दिए गए हैं, उन्हें फॉर्म-6 भरना होगा, जिनके नाम गलत हैं उन्हें फॉर्म-7 भरना होगा और जो सुधार करवाना चाहते हैं उन्हें फॉर्म-8 भरना होगा। ये दोनों ही फार्म ऑनलाइन और ऑफ्लाइन दोनों तरह से जमा किए जा सकते हैं। जन्म प्रमाण पत्र, पते का प्रमाण और पहचान प्रमाण ज़रूरी हैं। अपने स्थानीय क्लस्टर (बूथ लेवल ऑफिसर) से संपर्क करें। जिनके नाम इस लिस्ट में नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

एसआईआर से मौतों पर भड़कीं ममता दीदी,मैं ट्रेंड वकील,खुद पैरवी करुंगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के दौरान हुई मौतों के मामलों को लेकर वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मंगलवार को याचिका दाखिल की जाएगी। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग को वॉट्सऐप के जरिए चलाया जा रहा है। दक्षिण 24 परगना जिले के गंगासागर में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान ममता ने दावा किया कि स्ट्रेसशुरू होने के बाद डर और तनाव के कारण करीब 70 लोगों की जान जा चुकी है और कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

अचानक सोनिया की बिगड़ी तबीयत

सर गंगाराम अस्पताल में कराया गया भर्ती...

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। कांग्रेस पार्टी की ओर से फ्लिहाल सोनिया गांधी के स्वास्थ्य को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी बीते कुछ वर्षों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही हैं। इसी वजह से वह नियमित जांच और इलाज के लिए समय-समय पर अस्पताल जाती रही हैं। मंगलवार सुबह भी उनकी

तबीयत के कारण उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले जून में स्वास्थ्य समस्याओं के रूटीन चेकअप के लिए उनको हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे नवनियुक्त से मुलाकात की.

मोदी की ट्रंप से दोस्ती भारत को खतरा

सुब्रमण्यम स्वामी ने दी रिटायरमेंट की सलाह...

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने अमेरिका के साथ जारी टैरिफ विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर तीखी टिप्पणी की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए एक बयान में स्वामी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा की आम सभा को यह तय करना चाहिए कि क्या प्रधानमंत्री मोदी को सेवानिवृत्त कर 'मार्गदर्शन मंडल' में रहने के लिए कहा जाए। स्वामी ने अपने ट्वीट में आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दोस्ती होने के

कारण मोदी भारतीय लोकतंत्र और स्वयं भाजपा के लिए संभावित खतरा बन सकते हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और टैरिफ को लेकर तनाव की खबरें चल रही हैं और दोनों देशों के बीच व्यापारिक शर्तों पर पुनर्विचार की चर्चा चल रही है।

राम रहीम के बाद का इमरजेंसी परोल ड्रामा!

यूपी जाना है अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने बाम्बे हाईकोर्ट से कहा

नई दिल्ली/ एजेंसी

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को लगातार मिल रही परोल पर देशभर में चल रही बहस के बीच अब अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम भी सुर्खियों में आ गया है। भाई की मौत के बाद उसने इमरजेंसी परोल के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। रेप और हत्या के मामलों में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को आठ साल में 15 बार परोल मिलने को लेकर पहले ही सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच 1993 मुंबई सीरियल ब्लास्ट का दोषी अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम भी परोल की मांग को लेकर चर्चा में

आ गया है। अबू सलेम ने अपने बड़े भाई के निधन के बाद इमरजेंसी परोल की मांग करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। अबू सलेम ने हाईकोर्ट से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जाने की अनुमति मांगी है। उसके बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का 14 नवंबर 2025 को निधन हो गया था। याचिका में सलेम ने उन्हें पिता समान बताते हुए कहा है कि वह 40वें दिन की रस्में, कुरान ख्वानी, कब्रिस्तान में दुआ और परिवार से मिलने के लिए परोल चाहता है। न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम सी. चांडक की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि मुस्लिम परंपरा के अनुसार 40 दिनों की अवधि पहले ही पूरी हो चुकी है। इस पर सलेम की ओर से पेश अधिवक्ता फरहाना शाह ने दलील दी कि याचिका समय पर दायर की गई थी, लेकिन शीतकालीन अवकाश के कारण उस पर सुनवाई नहीं हो सकी। अबू सलेम ने याचिका में बताया कि उसके भाई की तबीयत पिछले तीन महीनों से गंभीर थी।

केंद्र सरकार ने 24 नए चिप डिजाइन प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (डीएलआई) के तहत भारतीय सेमीकंडक्टर यानी चिप बनाने वाले उद्योग को मजबूत करने के लिए 24 नए चिप डिजाइन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। ये प्रोजेक्ट्स वीडियो निगरानी, ड्रोन का पता लगाने, एनर्जी मीटर, माइक्रोप्रोसेसर, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, ब्रॉडबैंड और आईओटी सिस्टम-ऑन-चिप्स (एसओसी) जैसे क्षेत्रों में हैं। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी साझा की गई है। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, 95 कंपनियों को उद्योग स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स तक पहुंच दी गई है।

सोमनाथ मंदिर पर बोले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

भारत में जहां-जहां गजनी का नाम आता है,सब हटा दो.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्लॉग पोस्ट ने नई चर्चा छेड़ दी है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि आक्रमणकारी गजनी का नाम भारत से हटाना चाहिए ताकि यह भविष्य के लिए एक कड़ा संदेश बने। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने सोमनाथ मंदिर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया दी है। स्वामी जी ने कहा कि प्रधानमंत्री

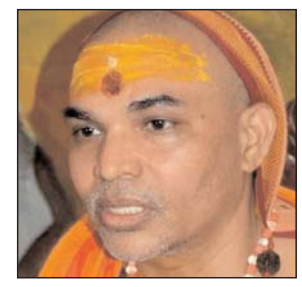

का ट्वीट उस हजार वर्ष पुराने दर्द को व्यक्त करता है, जब विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने अपनी सेना के साथ आकर मंदिर को क्षति पहुंचाई थी। उन्होंने पीएम मोदी के इस संदेश का स्वागत किया कि मूर्तियां तोड़ी जा सकती हैं, लेकिन सोमनाथ की आस्था को नष्ट नहीं किया जा सकता। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्पष्ट शब्दों में कहा, भारत में जहां-जहां भी गजनी का नाम आता है, उसे हटा देना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि महमूद गजनवी ने मंदिर को नुकसान पहुँचाया, पुजारियों और भक्तों को चोट पहुंचाई, और यह सब उसने सोमनाथ की गरिमा को नष्ट करने के इरादे से किया था। स्वामी जी के अनुसार, गजनी का कृत्य किसी भी नजरिए से अच्छा नहीं था, इसलिए उसकी स्मृति के किसी भी चिह्न को भारत की धरती पर स्थान नहीं मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ब्लॉग पोस्ट में सोमनाथ मंदिर की सराहना करते हुए इसे भारतीय सभ्यता की 'अदम्य भावना' का प्रतीक बताया है।

जेएनयू में आधी रात भारी बवाल

पीएम मोदी और शाह के खिलाफ लगे 'कब्र खुदेगी' के नारे..

नई दिल्ली/ एजेंसी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एक बार फिर विवादों के घेरे में है। रात को कैंपस में उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया जब छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी की। यह विरोध प्रदर्शन दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के बाद शुरू हुआ। साबरमती हॉस्टल के बाहर हुए इस प्रदर्शन ने अब एक बड़ा राजनीतिक रूप ले लिया है, जिसमें बीजेपी और विपक्षी नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। यह घटना रात के अंधेरे में हुई, जिसने कैंपस के सुरक्षा इंतज़ामों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार को जैसे ही सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपी उमर खालिद और देशद्रोह के आरोपी शरजील इमाम को राहत देने से इनकार करते हुए उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कीं, जेएनयू कैंपस के भीतर माहौल गर्म हो गया। छुहस् के नेतृत्व में वामपंथी संगठनों से जुड़े सैकड़ों छात्र साबरमती हॉस्टल के बाहर जमा हो गए और शीर्ष अदालत के फैसले के प्रति अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। छात्रों का आरोप है कि न्यायपालिका और सरकार मिलकर उनके नेताओं को निशाना बना रही है, जबकि पुलिस प्रशासन इसे पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया और साक्ष्यों पर आधारित फैसला बता रहा है। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब बेहद संवेदनशील हो गई जब छात्रों के समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और प्रमुख

उद्योगपतियों के खिलाफ सीधे तौर पर मोर्चा खोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने 'मोदी-शाह तेरी कब्र खुदेगी' और 'अंबानी-अडानी राज की कब्र खुदेगी, जेएनय की धरती पर' जैसे तीखे और भड़काऊ नारे लगाए। इन नारों के कई कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिसमें भीड़ के बीच छुहस् के संयुक्त सचिव दानिश और सचिव सुनील की सक्रिय मौजूदगी की बात भी सामने आ रही है। इस नारेबाजी ने न केवल प्रशासनिक अमले में खलबली मचा दी है, बल्कि इसे देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों का अपमान भी माना जा रहा है। प्रदर्शनकारी छात्र जिन दो चेहरों के समर्थन में उतरे थे, उन पर लगे कानूनी आरोप काफी गंभीर और राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़े हैं। शरजील इमाम पर देशद्रोह का मुकदमा चल रहा है, क्योंकि उन पर आरोप है कि उन्होंने 'चिकेन नेक' कॉरिडोर को काटकर नॉर्थ-ईस्ट को भारत के नक्शे से अलग करने की साजिश रचने वाली बातें कही थीं। दूसरी ओर, उमर खालिद पर 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की गहरी साजिश रचने का गंभीर मामला दर्ज है। इन दोनों की जमानत याचिकाएं खारिज होने को छात्र समुदाय का एक धड़ा 'लोकतांत्रिक आवाजों का दमन' बता रहा है, जबकि कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि सबूतों की गंभीरता को देखते हुए ही अदालत ने उन्हें राहत नहीं दी है।

पुलिस की कार्रवाई और कैंपस में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम....

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने अपनी जांच की गति तेज कर दी है। हालांकि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, उन्हें अभी तक इन नारों के संबंध में कोई औपचारिक या लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन खुफिया एजेंसियां और स्थानीय पुलिस अपनी रिपोर्ट तैयार कर रही हैं। फिलहाल जेएनयू प्रशासन ने इस पर कोई आधिकारिक प्रेस रिलीज जारी नहीं की है, लेकिन कैंपस के मुख्य द्वारों और संवेदनशील हॉस्टलों के बाहर सुरक्षा बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रशासन और पुलिस की कोशिश है कि कैंपस के भीतर शांति बहाल रहे और किसी भी प्रकार की दोबारा झड़प या अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। जेएनयू में यह ताजा प्रदर्शन 5 जनवरी की उस बरसी पर हुआ, जिसका कैंपस के इतिहास में एक काला और दर्दनाक महत्व है।

लक्ष्य जिला इकाई बेमेतरा कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं नववर्ष मिलन समारोह

बेमेतरा। लोधी क्षत्रिय एम्पलाइज एंड इंटेलेक्चुअल्स एसोसिएशन (लक्ष्य पंजीकृत) जिला इकाई बेमेतरा द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण, स्नेह मिलन एवं वर्ष 2026 की कार्ययोजना को लेकर स्नेह सम्मेलन का आयोजन बेमेतरा स्थित समाधान महाविद्यालय में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन संगठनात्मक सुदृढ़ता के साथ-साथ शिक्षा, समाज सेवा और नवाचार को एक साथ जोड़ने वाली महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया। कार्यक्रम में लक्ष्य के प्रदेश अध्यक्ष चैन दास जंघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ संरक्षक एवं संगठन मंत्री किशोर वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष डॉ अवधेश पटेल, उपाध्यक्ष नरेश कुमार बघेल, सचिव हिमांचल वर्मा, संगठन मंत्री डोगेंद्र वर्मा, सह सचिव रमेश कुमार वर्मा, संयोजक भोला राम वर्मा, महिला प्रभारी गिरिजा पटेल,जिला संरक्षक लेफ्टिनेंट राहुल वर्मा, अधिवक्ता वीर वर्मा, भीम कुमार बघेल, भीषम वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य में अमृत जांघेल, रेवाराम जांघेल, चुरावन बघेल, लोकेंद्र जांघेल, चंद्रेश वर्मा, सनत पटेल रामवतार वर्मा, धर्मेंद्र कुमार जंघेल सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी, सक्रिय कार्यकर्ता एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठनात्मक परंपराओं के अनुरूप किया गया। लक्ष्य प्रदेश अध्यक्ष चैन दास जंघेल ने अपने संबोधन में कहा कि लक्ष्य केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि लोधी समाज के शैक्षणिक उत्थान, बौद्धिक विकास और सामाजिक दायित्व की संगठित अभिव्यक्ति है। उन्होंने लक्ष्य जिला इकाई कार्यकारिणी बेमेतरा जिले के नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए संगठन के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्धता, अनुशासन और निरंतर सेवा भाव से कार्य करने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण समारोह के उपरांत उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया कि आगामी तीन वर्षों में जिला अध्यक्ष एवं शिक्षाविद डॉ. अवधेश पटेल के नेतृत्व में लक्ष्य बेमेतरा को शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में एक सशक्त इकाई के रूप में विकसित किया जाएगा। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठनात्मक गतिविधियों में तन, मन और धन से सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। सम्मेलन के दौरान वर्ष 2026 के लिए लक्ष्य की शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। तय किया गया कि समाज के मेधावी विद्यार्थियों, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर रक्तदान शिविर एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं में इतिहास, संस्कार और सामाजिक चेतना का संचार किया जाएगा। शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कैरियर गाइडेंस एवं मेमोरी डेवलपमेंट सेमिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वहीं समाज के स्वास्थ्य सरोकारों को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य से जुड़े छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोधी समाज के चिकित्सकों द्वारा थान खम्हरिया (साजा) में लक्ष्य निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने पर भी सहमति बनी। कार्यक्रम के पश्चात लक्ष्य के सभी सदस्यों ने भव्य सृष्टि उद्योग में संचालित बांस आधारित उद्योग में नवाचार का अवलोकन किया। इस दौरान सदस्यों ने स्थानीय संसाधनों के उपयोग, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इसके पश्चात सभी सदस्य मानव तीर्थ संस्थान, किरितपुर पहुँचे, जहाँ उन्होंने अध्ययनरत विद्यार्थियों के अनुभवों को सुना तथा साधन भट्टाचार्य से मार्गदर्शन प्राप्त किया। नववर्ष के अवसर पर मानव तीर्थ में प्राप्त यह अनुभव सभी सदस्यों के लिए प्रेरणादायी और आत्ममंथन का अवसर सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में लक्ष्य जिला इकाई के मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश जंघेल ने बताया कि लक्ष्य संगठन समाज के अंतिम पंक्ति तक शिक्षा पहुँचाने के उद्देश्य से सतत कार्य कर रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम यह है कि लक्ष्य के बैनर तले संचालित नवोदय विद्यालय की निःशुल्क तैयारियों में चयनित विद्यार्थियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। अंत में वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि लक्ष्य बेमेतरा की नवगठित टीम शिक्षा, सेवा और नवाचार के समन्वय से समाज को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सम्मेलन का समापन सौहार्द, संगठनात्मक एकता और सकारात्मक संकल्प के साथ हुआ।

जिया में हो रहे क्रिकेट खेल प्रतियोगिता में शामिल हुए पूर्व विधायक छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा जिया में चल रहे बेमेतरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत जिया में प्रकाश क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में एवं पंथ गृंध मुनिनाम की स्मृति में आयोजित टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन एवं पुरूस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे जहां उन्होंने खिलाड़ियों से उनका परिचय प्राप्त किया और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का सबसे अभिन्न हिस्सा है किसी ने किसी रूप में कोई ना कोई खेल हम अपने जीवन में खेलते ही हैं और इस खेल से न केवल हमारे शारीरिक विकास होता है बल्कि इसके माध्यम से हम अपनी संस्कृतियों को भी आदान-प्रदान करते हैं हमें सामाजिक समरसता की भावना जागृत होती है। यहां पहुंचकर आप सभी को खेलता हुआ देखकर मुझे भी खेल की याद आ गई। जब कभी मैं भी अपने स्कूल जीवन में क्रिकेट खेल में दिलचस्पी लेकर खेला करता था। इस अवसर मिथलेश वर्मा राजेंद्र वर्मा अमित वर्मा राजकुमार बंजारे निलेश ठाकुर शैलेन्द्र साहू सुनील बंजारे सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सस्वर मानसगान प्रतियोगिता से ग्राम पिपरभठा भक्तिमय वातावरण में सराबोर

बेमेतरा। ग्राम पिपरभठा में आयोजित पंचदिवसीय सस्वर मानसगान प्रतियोगिता समारोह श्रद्धा, भक्ति एवं सांस्कृतिक चेतना के साथ भव्य रूप से संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामवासी उपस्थित होकर रामकथा के मधुर गायन का आनंद ले रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल ने अपने संबोधन में कहा कि रामचरितमानस केवल एक ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और जीवन दर्शन का आधार है। मानसगान जैसी प्रतियोगिताएं युवा पीढ़ी को धर्म, संस्कार और सामाजिक एकता से जोड़ने का कार्य करती हैं। ऐसे आयोजनों से ग्राम्य संस्कृति सशक्त होती है और समाज में नैतिक मूल्यों का संचार होता है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम निरंतर आयोजित होते रहना चाहिए। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि रामचरितमानस मानव जीवन को सत्य, मर्यादा और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। सस्वर मानसगान के माध्यम से प्रभु श्रीराम के आदर्श जन-जन तक पहुँचते हैं। ग्राम पिपरभठा द्वारा इस तरह का पंचदिवसीय आयोजन सराहनीय है और नगर पालिका सदैव ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को सहयोग देती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मानस मंडलियों द्वारा सस्वर प्रस्तुति दी गई, जिस पर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। आयोजन समिति ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि गौरव साहू देरहा देवागन दशरथ साहू वैभव तिवारी, गणमान्य नागरिक, आयोजन समिति के सदस्य बिहारी लाल यादव लक्ष्मण चौहान टीकाराम साहू रमेश साहू लखन वर्मा थालेश्वर साहू रमेश साहू मनोहर साहू विष्णु साहू एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बाघुल पंचायत में गौ-यज्ञ में शामिल हुए डॉ निर्वाणी, ग्रामवासी बड़ी संख्या में जुटे

कृष्ण भक्त माता कर्मा की 65 फीट प्रतिमा व कृष्ण मंदिर का होगा निर्माण : महंत सुरेंद्र दास

बेमेतरा। ग्राम पंचायत बाघुल में वैदिक परंपराओं के साथ गौ-यज्ञ एवं गौ-रक्षा अनुष्ठान संपन्न हुआ। बड़े आकार के पंडाल में सुबह से ही महिलाएँ, ग्रामीण और भजन-कीर्तन मंडलियाँ जुटती रहीं। यज्ञ वेदी के समीप गौ-पूजन, आरती और प्रसाद अर्पण के साथ पूरे परिसर में आस्था और भक्ति-भाव का वातावरण बना रहा भव्य भंडारे का हुआ आयोजन। यज्ञ के दौरान ग्रामीण महिलाएँ शालीनता से बैठकर अनुष्ठान में सहभागिता कर रही हैं, वहीं गौ-सेवा से जुड़ा संदेश संतों द्वारा पूरे समय दिया जाता रहा। कार्यक्रम में नवागढ़ राम-जानकी मंदिर के महंत सुरेन्द्र दास और धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन दिवाकर दास के आमंत्रण पर सम्पन्न हुआ।सभा को संबोधित करते हुए डॉ सौरव निर्वाणी ने कहा गौ-संरक्षण केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक स्मृति और ग्रामीण समाज की जीवन पद्धति का आधार है महंत सुरेन्द्र दास ने कहा जब गाँव धर्म, सेवा और संस्कारों से जुड़ता है, तब समाज मजबूत होता है और परंपराएँ सुरक्षित रहती हैं। ग्रामीणों ने दोनों संतों के साथ गौ-सेवा, ग्राम सहयोग और सांस्कृतिक संरक्षण का संकल्प लिया। माता कर्मा की भव्य प्रतिमा एवं कृष्ण मंदिर, ग्राम बाघुल में बनेगा सांस्कृतिक स्मारकयज्ञ के उपरांत आयोजित चर्चा में महंत सुरेन्द्रदास एवं डॉ सौरव निर्वाणी ने महत्वपूर्ण घोषणा की। ग्राम पंचायत बाघुल में कृष्ण भक्त माता कर्मा जी की 65 फीट ऊँची प्रतिमा स्थापित की जाएगी, साथ ही कृष्ण मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। डॉ सौरव निर्वाणी ने कहा माता कर्मा जी की कृष्ण भक्ति और जनजातीय समाज से जुड़ी आध्यात्मिक परंपरा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा-स्थल बने यही हमारा उद्देश्य है। निर्णय का ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

बालकृष्ण सिन्हा पुन: मुख्य प्रबंध ट्रस्टी निर्वाचित गायत्री परिवार ट्रस्ट का पुनर्गठन, 6 ट्रस्टी चयनित

डोंगरगांव नगर। नगर में आस्था के केंद्र गायत्री शक्तिपीठ की संचालन समिति गायत्री परिवार ट्रस्ट का पुनर्गठन कार्यक्रम रविवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार के उपजोन समन्वयक नंदकिशोर सुरजन, राजनांदगांव के जिला समन्वयक जयप्रकाश सिन्हा तथा चौकी मोहला मानपुर के जिला समन्वयक सीके देवांगन की उपस्थिति में संपादित हुआ। परिवार से जुड़े बालकृष्ण सिन्हा पुनः मुख्य प्रबंध ट्रस्टी निर्वाचित हुए। वहीं छः अन्य ट्रस्टियों का भी चयन किया गया। स्थानीय गायत्री मंदिर में शांतिकुंज हरिद्वार से प्राप्त निर्देशानुसार नगर तथा अंचल के परिजनों तथा ट्रस्टियों की एक आवश्यक बैठक रखी गई थी। जिसका शुभारंभ मां गायत्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन तथा पूजन से हुआ। पश्चात् मुख्य प्रबंध ट्रस्टी बालकृष्ण सिन्हा द्वारा पिछले वर्षों के आय व्यय का विवरण सभी के समक्ष रखा गया और निर्वाचन प्रक्रिया के पूर्व पुराने ट्रस्ट मंडल को भंग करने की विधिवत् घोषणा की गई। पश्चात् नवीन ट्रस्ट मंडल के निर्वाचन प्रक्रिया, ट्रस्टियों के कर्तव्य व कार्यों के संबंध में विस्तार से उपजोन समन्वयक नंदकिशोर सुरजन द्वारा जानकारी दी गई। उन्होनें शक्तिपीठ के माध्यम से संचालित अनेक प्रकार की गतिविधियों के संबंध में कहा कि हमारा कार्यकर्ता स्वयंसेवक है, चाहे वह ट्रस्टी हो या फिर सामान्य कार्यकर्ता, इनमें कोई भेद नहीं है। एक व्यवस्था और शासन द्वारा पारित कुछ नियमों के कारण ट्रस्ट मंडल का समयावधि में निर्वाचन कराया जाता है। लेकिन जो ट्रस्टी निवृत हुए हैं, वे अपने दायित्वों से अलग नहीं हुए हैं, सभी को मिल जुलकर गुरूदेव के द्वारा बताये मार्गो और युग निर्माण की अवधारणा पर चलने की आवश्यकता है। उन्होनें ट्रस्टियों से अपने कार्यो के सुचारू संचालन तथा गायत्री मिशन के सप्त आंदोलनों के विस्तार हेतु 13 सदस्यों की कार्यकारिणी व 4 प्रमुख समितियों का गठन किया गया। संपादन के लिए समय समय पर प्रकाशित ट्रस्ट के नियम एवं विधान का भी अध्ययन करने की बात कही। ट्रस्ट मंडल के गठन के क्रम में उपस्थित परिजनों से नवीन ट्रस्टियों हेतु नाम आमंत्रित किये गये, जिसमें पुनः एक बार बालकृष्ण सिन्हा को मुख्य प्रबंध ट्रस्टी, मिताली कटकवार को सहायक प्रबंध ट्रस्टी, जयप्रकाश सिन्हा, गिरधर साहू, डॉ. अतुल गुप्ता, हेमा राठौर तथा सीता गुप्ता को ट्रस्टी चुना गया। निर्वाचन पश्चात् मंदिर के

प्रत्येक शासकीय विद्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति सिस्टम लगाया जाना चाहिए : शंकर साहू

बायोमेट्रिक ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर शिक्षकों को कोई आपत्ति नहीं

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने स्कूल शिक्षा विभाग एवं उच्च अधिकारियों को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी शिक्षक पर वीएसके एप डाउनलोड करने का दबाव बनाया गया तो प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी। प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने स्पष्ट किया कि बायोमेट्रिक ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर शिक्षकों को कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि शिक्षक ही एकमात्र ऐसे शासकीय कर्मचारी हैं जो विद्यालय खुलने और बंद होने की सूचना घंटी बजाकर पूरे गांव को देते हैं। ऐसे में शिक्षकों की उपस्थिति पर संदेह करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि आपत्ति केवल इस बात पर है कि शिक्षकों को अपने निजी मोबाइल से, अपने निजी खर्च पर वीएसके एप डाउनलोड कर डेटा खर्च कर स्वयं एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए बाध्य किया जा रहा है। यह पूरी तरह अनुचित और अस्वीकार्य है। शंकर साहू ने कहा कि यदि विभाग को शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति आवश्यक लगती है, तो प्रत्येक शासकीय विद्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति सिस्टम लगाया जाना चाहिए। साथ ही विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले विभिन्न ऑनलाइन कार्यों के लिए शिक्षकों को प्रति माह कम से कम 500 रुपये डेटा भत्ता एवं प्रत्येक विद्यालय को एक विभागीय मोबाइल उपलब्ध कराया जाना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू, सचिव अशोक कुमार तेता, प्रदेश प्रभारी महामंत्री संगठन जितेंद्र साहू, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक हीना कश्यप, प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार साहू,प्रदेश कोषाध्यक्षतेजराम कामाड़िया, प्रदेश महासचिव रत्नाकर खूंटिया, भूपेंद्र साहू ने आरोप लगाया कि वर्तमान में विभाग द्वारा शिक्षकों पर निजी मोबाइल को सरकारी कार्यों के लिए उपयोग करने का अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है, जिस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि शिक्षकों का निजी मोबाइल, निजी ही रहे। उसे सरकारी मोबाइल न बनाया जाए। प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने पुनः स्पष्ट किया कि विभाग यदि प्रत्येक विद्यालय में बायोमेट्रिक सिस्टम स्थापित कर, डेटा खर्च की व्यवस्था सुनिश्चित करता है, तो ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर किसी प्रकार का विरोध नहीं होगा अन्यथा संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा। अंत में उन्होंने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री से मांग किया है कि इस प्रकार के आदेशों पर स्वतः संज्ञान लिया जाए, क्योंकि कुछ अधिकारी ऐसे आदेश जारी कर शासन की छवि धूमिल करने एवं शासन को क्षति पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

किसानों को उनकी उपज का सही लाभ मिले और बिचौलियों या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश न रहे : कलेक्टर दिव्या मिश्रा

दल्लीराजहरा। जिले में धान खरीदी कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में कलेक्टर दिव्या मिश्रा के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम द्वारा अर्जुन्दा तहसील के अंतर्गत आने वाली सोसायटियों में धान का सघन भौतिक सत्यापन किया गया। तहसीलदार चंद्रशेखर चंद्राकर और नायब तहसीलदार बी. रुद्रपति के नेतृत्व में समिति प्रबंधक एवं निगरानी समिति की संयुक्त टीम ने कांदुल सोसायटी का दौरा किया। टीम ने उन किसानों के घरों पर जाकर धान के स्टॉक की वास्तविक स्थिति जांची, जिनके पास एक, दो या तीन टोकन उपलब्ध थे। कांदुल सोसायटी अंतर्गत कुल 10 किसानों के स्टॉक की जांच की गई। इनमें से 4 किसानों ने स्वेच्छा और शांतिपूर्ण ढंग से 88 क्विंटल धान (4.19 एकड़ रकबा) का समर्पण किया। इसी प्रकार ग्राम परसतराई के 3 किसानों ने भी पारदर्शिता का परिचय देते हुए 150 क्विंटल धान (2.85 हेक्टेयर रकबा) समर्पित किया। प्रशासन द्वारा की गई इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वास्तविक किसानों को उनकी उपज का सही लाभ मिले और बिचौलियों या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश न रहे। किसानों द्वारा बिना किसी विवाद के दी गई इस स्वीकृति ने स्थानीय प्रशासन के प्रति उनके विश्वास को और मजबूत किया है। आगामी दिनों में भी यह सत्यापन अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू बनी रहे।

प्रदेशाध्यक्ष को विधायक ने प्रेषित किया पत्र, दलेश्वर साहू ने डॉ नीरेंद्र साहू से किया आग्रह

भूपेश बघेल के बयान मामले में सामाजिक आदेश को वापस लेने आग्रह

डोंगरगांव नगर। छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा तथाकथित एक सभा में किसी प्रचलित कथानक के साथ डिप्टी सीएम के नाम का उल्लेख करने से छग प्रदेश साहू संघ ने साहू समाज का अपमान निरूपित कर पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर कड़ा ऐतराज जताया है। इस मामले में प्रदेश साहू संघ द्वारा कथित तौर पर प्रदेशव्यापी विरोध करते हुए प्रदेशभर के जिलाध्यक्षों को पुलिस अधीक्षकों के समक्ष ज्ञापन सौंपकर आपत्ति दर्ज कराने हेतु सामाजिक निर्देश जारी करने से हड़कंप मचा हुआ है। उपरोक्त विषय को लेकर डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू ने छग प्रदेश साहू संघ प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू को पत्र प्रेषित किया है। विधायक के वायरल पत्र के मुताबिक विधायक दलेश्वर साहू ने पत्र के माध्यम से कहा है कि प्रदेशाध्यक्ष ने भूपेश बघेल की टिप्पणी को अत्यंत अमर्यादित, आपत्तिजनक एवं निंदनीय बताया है एवं जिलाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे हर जिले में पुलिस अधीक्षक के पास जाकर इस पर आपत्ति दर्ज करवाऐ। विधायक ने पत्र के कहा है कि मेरी निष्ठा समाज के प्रति सर्वोपरि है। मैं समझता हूं कि समाज की ओर से लिया गया निर्णय हर किसी सदस्य को मान्य होना चाहिए, लेकिन सार्वजनिक जीवन में होने एवं कांग्रेस पार्टी का विधायक होने के नाते मेरी दूसरी जिम्मेदारियां भी हैं। हमें समाज के अलावा अपने राजनीतिक दल के प्रति भी जबाबदेह होना पड़ता है। मैं व्यक्तिगत तौर पर मानता हूं कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जो टिप्पणी उपमुख्यमंत्री अरुण साव के खिलाफ की है। वह विशुद्ध राजनीतिक टिप्पणी थी, तथा उक्त टिप्पणी में जाति सूचक संबोधन कहीं भी नहीं था। हम राजनीतिक लोग एक दूसरे पर इस तरह की टिप्पणियां करते रहते हैं, तथा अक्सर टिप्पणियों के लिए प्रचलित कथानक व कहानियों का भी सहारा लेते हैं। एक कथानक सुनाने से यह नहीं मान लेना चाहिए कि डिप्टी सीएम अरुण साव का नाम लेकर समाज का अपमान किया गया है? विधायक ने उदाहरण देते हुए कहा है कि उदाहरण के भूपेश बघेल के लिए जिस तरह के बयान भाजपा के नेता दे रहे हैं, तथा जिस तरह के कार्टून आदि बनाए जा रहे हैं, उसमें तो कुर्मी समाज को आंदोलन करने सड़क पर उतर जाना चाहिए। विधायक ने आग्रहपूर्वक कहा है कि हमें यह भूलना नहीं चाहिए कि कांग्रेस पार्टी की ओर से भी साहू समाज के 6 विधायक हैं। राजनीतिक मामलों में अगर समाज इस तरह से एक दल की ओर झुकाव भरे फैसले लेगा तो हमें अपने राजनैतिक पार्टी में जवाब देना कठिन हो जाएगा। विधायक ने कहा कि हमे ये भी नही भूलना चाहिए कि भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेशभर में साहू समाज को भरपूर सम्मान देते आवश्यकता व मांग के मुताबिक यथोचित सहायता भी प्रदान की है। विधायक ने प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू से पत्र के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की निंदा करने वाले प्रस्ताव को वापस लिया जाए और हर जिले में ज्ञापन सौंपने के निर्देश को भी वापस लेने सहृदय आग्रह किया है।

जन सहयोग की अनूठी पहल, विभाग के अधिकारी कर्मचारी बने निक्षय मित्र

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई की विशेष पहल एवं सीएमएचओ के मार्गदर्शन में साजा ब्लॉक में स्वास्थ्य विभाग की सराहनीय पहल अधिकारी-कर्मचारी बने निक्षय मित्र, टीबी मरीजों को पोषण आहार से मिल रहा संबल। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत साजा ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक अनूठी एवं सराहनीय पहल की जा रही है। विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी टीबी मरीजों को गोद लेकर निक्षय मित्र के रूप में सहयोग कर रहे हैं। इस पहल के तहत टीबी मरीजों को नियमित जांच, इलाज के साथ-साथ पोषण युक्त खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे मरीजों को दवाओं के साथ आवश्यक पोषण प्राप्त हो रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम स्वरूप टीबी से स्वस्थ होने (क्योर) वाले मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के इस मानवीय एवं संवेदनशील प्रयास की आम जनता द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है। लोगों का कहना है कि इलाज के साथ जरूरतमंद मरीजों को पोषण आहार उपलब्ध कराना टीबी उन्मूलन की दिशा में एक प्रभावी कदम है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी मरीजों का सर्वे, जांच, उपचार एवं निशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती हैं। अब निक्षय मित्रों के माध्यम से पोषण आहार मिलने से मरीजों को अतिरिक्त लाभ मिल रहा है, जिससे उपचार और अधिक प्रभावी हो रहा है। खंड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि टीबी मरीजों को समय पर पोषण आहार मिलने से वे शीघ्र स्वस्थ होते हैं तथा उनके वजन में भी अपेक्षित वृद्धि देखी जा रही है। वहीं वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक ने कहाँ कि टीबी मरीजों के सहयोग हेतु विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत निरंतर सहयोग करने वाले सामाजिक संगठनों, सहयोगी संस्थाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से संपर्क कर अधिक से अधिक लोगों से निक्षय मित्र बनने की अपील की जा रही है। उन्होंने बताया कि आगामी तीन माह में अधिक से अधिक निक्षय मित्र जोड़ने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, जिससे टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में गुंडागर्दी का सनसनीखेज मामला, व्हाट्सऐप ग्रुप विवाद पर सोसायटी में मारपीट

रायपुर। राजधानी रायपुर से मारपीट और खुलेआम गुंडागर्दी का गंभीर मामला सामने आया है। मुजगहन थाना क्षेत्र में स्थित एक रिहायशी सोसायटी में व्हाट्सऐप ग्रुप में किए गए मैसेज को लेकर उपजा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि राहुल जैन ने अपने कई साथियों के साथ मिलकर सोसायटी के रहवासियों पर हमला कर दिया। इस दौरान न सिर्फपुरुषों के साथ मारपीट की गई, बल्कि महिलाओं के साथ भी हाथापाई और बदसलूकी का आरोप लगा है। घटना के दौरान सोसायटी के गार्ड और सुरक्षा व्यवस्था को भी निशाना बनाया गया। हमलावरों ने गार्ड रूम में तोड़फोड़ की और वहां मौजूद सामान को नुकसान पहुंचाया। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में मारपीट, धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल साफ देखा जा सकता है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोसायटी के व्हाट्सऐप ग्रुप में किसी मुद्दे को लेकर मैसेज किए गए थे, जिस पर राहुल जैन और उसके साथियों ने आपत्ति जताई। पहले कहासुनी हुई और फिर यह विवाद अचानक हिंसा में बदल गया। आरोप है कि राहुल जैन अपने साथ कई युवकों को लेकर सोसायटी में पहुंचा और रहवासियों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जब कुछ महिलाओं ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद सोसायटी के रहवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि राजधानी जैसे शहर में इस तरह की गुंडागर्दी कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। रहवासियों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुजगहन थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि वीडियो फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

सीआरपीएफ अधिकारी बनकर ठगी, रायपुर के डॉक्टर से करीब चार लाख रुपए उड़ाए

रायपुर। राजधानी रायपुर में ठगों ने खुद को सीआरपीएफ का अधिकारी बताकर एक होमियोपैथिक चिकित्सक को झांसे में ले लिया और उनके बैंक खातों से लगभग चार लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। जवानों के इलाज और सरकारी भुगतान का हवाला देकर आरोपियों ने खाते की जानकारी हासिल की और रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार न्यू पुरैना स्थित मारुति रेसिडेंसी निवासी डॉ. शिवकुमार सिंह ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर अपने बैंक खाते ब्लॉक कराए और केंद्रीय साइबर पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कराई। हालांकि तब तक ठगी की राशि निकाल ली गई थी। सीज किए गए खातों में केवल करीब तीन हजार रुपए ही होल्ड हो पाए हैं। डॉ. सिंह कालीबाड़ी क्षेत्र में होमियोपैथिक क्लिनिक संचालित करते हैं। 29 नवंबर को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को सीआरपीएफ का अफसर बताया और कहा कि कैम्प के लगभग 35 जवानों की मेडिकल जांच और इलाज कराना है। इसके बाद फीस और प्रक्रिया को लेकर चर्चा हुई। आरोपी ने सरकारी भुगतान के लिए बैंक खाते के वैलीडेशन की बात कही और डॉक्टर से खाता संबंधी जानकारी मांगी। डॉ. सिंह ने अपने एक सहयोगी का नंबर साझा किया, जिस पर कथित अधिकारी ने वीडियो कॉल कर बैंक डिटेल्स सहित अन्य जानकारियां हासिल कीं। इसी दौरान पासवर्ड भी ले लिए गए। डॉ. सिंह ने पीएनबी और एसबीआई के खातों की जानकारी दी थी। ठगों ने इन दोनों खातों से कुल 3 लाख 98 हजार 984 रुपए ट्रांसफर कर लिए। पुलिस अब मोबाइल नंबरों और बैंक खातों के जरिए आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

महिला सरपंच पर हत्या करने का प्रयासः प्राणघातक हमलें से हुई घायल

रायपुर। जिले में एक महिला सरपंच की हत्या करने का प्रयास किया गया। रॉड से किए गए प्राणघातक हमलों में सतरेंगा की सरपंच गंभीर रूप से घायल हुई है। जानकारी के मुताबिक श्रीमती बंधन बाई कंवर ग्राम पंचायत सतरेंगा की वर्तमान में सरपंच है। पंचायत चुनाव के समय बंधन बाई के विरूद्ध जो सरपंच के पद पर खडे हुये थे, उसको झूलसिह पण्डो सपोर्ट करता था किन्तु चुनाव में हार जाने के बाद चुनावी रंजिश बंधन बाई से रखने लगा था। हाल ही में 31 दिसम्बर 2025 को गांव में शराब विक्रय करने वालों के खिलाफमहिला समूह के साथ गांवों में भ्रमण कर सरपंच द्वारा उन्हें समझाईश ?दिया गया था। इस दौरान झूलसिंह पण्डो को भी अवैध शराब निर्माण करने से मना किया गया था। इसी कारण 01 जनवरी 2026 की शाम लगभग 04.30 बजे जब सरपंच बंधन बाई घर पर अकेली थी, तभी झूलसिंह पण्डो जबरन घर के भीतर घुस कर एवं बंधन बाई को सरपंच पद से इस्तीफा देने के लिए कहा। इस बात से इंकार करने पर सरपंच को जान से मारने की नीयत से लोहे के वजनी रॉड से प्राण घातक हमला उसके सिर, छाती, पीठ एवं गले पर किया। हमले से बंधन बाई को अत्यधिक गंभीर चोटें आयी तथा अत्यधिक खून बहा। बंधन बाई की चीख पुकार सुनकर पड़ोसी वहां पहुंचे तो झूलसिंह पण्डो वहां से भागकर पुराना सरपंच धनसिंह कंवर के घर घुस गया। घटना की सूचना मिलने पर प्रार्थी गणेश सिंह कंवर अपनी बड़ी माँ की जान बचाने हेतु कृष्णा हास्पीटल कोरबा में भर्ती कराया है। सरपंच की हालत बहुत नाजुक बताई जा रही है। गणेश की रिपोर्ट पर झूलसिंह पण्डो के विरुद्ध धारा 109, 332(इ)-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

छत्तीसगढ़ की लोक नृत्य एवं लोक कला पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का सफल समापन हुआ

रायपुर। छायाचित्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लोक जीवन, सांस्कृतिक विविधता एवं परंपराओं के संरक्षण का सशक्त संदेश देने वाली लोक नृत्य एवं लोक कला पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का सफल समापन हुआ। समापन अवसर पर श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रदर्शनी की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का सराहनीय प्रयास बताया तथा इस प्रकार के आयोजनों के लिए क्लाउड के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए प्रोत्साहित किया।

सुशासन एक्सप्रेस व विभागीय शिविरों से ग्रामीणों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

छोटेडोंगर में शिक्षा,सड़क और वन अधोसंरचना को मिलेगी नई गति

- वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने छोटेडोंगर में 6 करोड़ 3 लाख 97 हजार रूपए के कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य तथा बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप की अध्यक्षता में जिले के एक दिवसीय भ्रमण के दौरान छोटेडोंगर में भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने लोक निर्माण विभाग, वन विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत कुल 6 करोड़ 3 लाख 97 हजार रूपए की लागत वाले सात महत्वपूर्ण विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। मंत्री श्री कश्यप के द्वारा किए गए भूमिपूजन कार्यों में विकासखंड नारायणपुर अंतर्गत धौड़ाई में हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण हेतु 1 करोड़ 21 लाख 16 हजार रुपये, चिपरेल नगर वन परियोजना के लिए 89 लाख 22 हजार रुपये तथा नवीन विश्रामगृह निर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 1 लाख रुपए शामिल हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कुकड़ाझोर-आकाबेड़ा मार्ग से ताड़ोनार तक सड़क निर्माण के लिए 85 लाख 93 हजार रूपए, कस्तुरमेटा-मोहंदी मार्ग से ब्रेहबेड़ा तक सड़क निर्माण हेतु 63 लाख 78 हजार रूपए, कस्तुरमेटा-मोहंदी मार्ग से मलकाल तक सड़क निर्माण कार्य के लिए 97 लाख 25 हजार रुपए तथा कस्तुरमेटा-मोहंदी मार्ग से मोहंदी गांव तक सड़क निर्माण हेतु 45 लाख 63 हजार रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और निश्चित ही यह क्षेत्र

आने वाले समय में प्रदेश का एक समृद्ध एवं मॉडल क्षेत्र के रूप में विकसित होगा। उन्होंने जानकारी दी कि ओरछा से नारायणपुर तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य तीन चरणों में पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए टेंडर निरस्त किए जाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने छोटेडोंगर के हायर सेकेंडरी स्कूल में शेड निर्माण कराए जाने की भी घोषणा की। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को क्षेत्र में जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कर विकास को गति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि डीएमएफमद की राशि का उपयोग कर क्षेत्रीय विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में किए जा रहे कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मोदी की गारंटी के तहत संचालित योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल एवं सुशासन एक्सप्रेस शिविर का वन मंत्री एवं सांसद द्वारा अवलोकन किया गया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को किट वितरण किया गया तथा भारत माता स्व-सहायता समूह की महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान किए गए। खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (दलहन) योजना अंतर्गत किसानों को मसूर बीज मिनीकिट का वितरण किया गया।

भर्ती परीक्षाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता:मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ भर्ती परीक्षाओं को पूर्ण करने के लिए की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर प्रदेश में आयोजित हो रही विभिन्न भर्ती परीक्षाओं की व्यापक समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध ढंग से संपन्न कराना है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि युवा कठिन परिश्रम और समर्पण के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, इसलिए शासन की प्रतिबद्धता है कि उनके साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी भर्ती परीक्षाएँ पारदर्शी ढंग से आयोजित की जाएँ तथा परीक्षा प्रणाली को वर्तमान चुनौतियों के अनुरूप और अधिक सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता स्वीकार्य नहीं होगी और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि परीक्षाओं की शुचिता पर कोई

प्रश्नचिह्न न लगे, इसके लिए पारदर्शिता बढ़ाने संबंधी सभी उपायों पर गंभीरतापूर्वक कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में सुधार सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। इससे राज्य में भर्ती प्रणाली अधिक सरल, न्यायोचित और समयबद्ध बनेगी। बैठक में पुलिस बल सहित विभिन्न विभागों में चल रही भर्ती प्रक्रियाओं की भी समीक्षा की गई और चयन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में समान अहर्ता वाले पदों के लिए विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग परीक्षाएँ आयोजित किए जाने की वर्तमान व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। समान पात्रता वाले पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित करने के प्रस्ताव पर विचार किया गया। इससे न केवल समय और संसाधनों की बचत होगी, बल्कि विभागों को समय पर मानव संसाधन उपलब्ध कराया जा सकेगा। पीएससी की परीक्षा प्रणाली को और अधिक समकालीन, पारदर्शी तथा अभ्यर्थी हितैषी बनाने के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई।

टेंट-कैटरिंग व्यवसाय शुरू कर पेश की आत्म निर्भरता की मिसाल

- बिहान योजना से तय हुआ दिल्ली तक का सफर, गणतंत्र दिवस पर सम्मानित होंगी लखपति दीदी-लता साहू

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान योजना आज जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव की सशक्त मिसाल बन चुकी है। इसी योजना से जुड़कर कबीरधाम जिले के ग्राम सेमो की लता साहू ने अपने आत्मविश्वास, परिश्रम और महिला स्व-सहायता समूह की ताकत से सफलता की प्रेरक कहानी लिखी है। लता साहू की आर्थिक स्थिति पहले सामान्य थी। सीमित आय के कारण परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो जाता था। ऐसे समय में उन्होंने महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, जो उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें न केवल बचत की आदत पड़ी, बल्कि समूह के माध्यम से आजीविका ऋण भी प्राप्त हुआ। इस ऋण राशि का सदुपयोग करते हुए लता साहू ने टेंट एवं कैटरिंग व्यवसाय की शुरुआत की। प्रारंभ में छोटे स्तर पर शुरू किया गया यह व्यवसाय धीरे-धीरे उनकी आय का स्थायी और मजबूत साधन बन गया। समय पर कार्य, गुणवत्ता और निरंतर मेहनत के बल पर उनका व्यवसाय लगातार आगे बढ़ता गया, जिससे उनकी मासिक एवं वार्षिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज लता साहू लखपति दीदी के रूप में पहचानी जाती हैं। वे न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं, बल्कि अपने परिवार की जरूरतों को आत्मसम्मान के साथ पूरा करने में भी सक्षम बनी हैं। लता साहू की सफलता ने महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है। आज कई महिलाएं उन्हें आदर्श मानकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। लता साहू कहती हैं कि बिहान योजना ने मुझे आत्मविश्वास दिया। समूह की ताकत और सही मार्गदर्शन से मैं आज अपने पैरों पर खड़ी हूं। आज लता साहू पूरे कबीरधाम जिले के लिए प्रेरणा और मिसाल बन चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा, जो न केवल उनके लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है।

जो जितना घोटाला व भ्रष्टाचार करेगा वह कांग्रेस में उतना ही आगे बढ़ेगा...

- कांग्रेस की यही रीति-नीति रही है कि आदिवासियों का शोषण कर उनकी राजनीतिक हत्या करे

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार चैतन्य बघेल की जमानत पर रिहाई के बाद निकाले गए जुलूस पर करारा कटाक्ष किया है। ठाकुर ने कहा कि चैतन्य का जुलूस निकालकर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने यह साबित कर दिया कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के

साथ खड़ी है और जो जितना बड़ा घोटाला व भ्रष्टाचार करेगा, वह कांग्रेस में उतना ही आगे बढ़ेगा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि हजारों करोड़ रुपए के शराब घोटाले में एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य (बिट्टू) की जमानत पर रिहाई हो गई जबकि दूसरी ओर इसी शराब घोटाला मामले में भूपेश सरकार में मंत्री रहे आदिवासी नेता कवासी लखमा आज भी जेल में बंद हैं। बघेल अब लखमा की खोज-खबर तक नहीं ले रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री रहते हुए बघेल ने ही लखमा के पढ़े-लिखे नहीं होने का फायदा उठाते हुए सारे कागजों पर उनके ही दस्तखत कराए और आज वही आदिवासी नेता जेल में बंद है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सदैव से यही रीति-नीति रही है कि आदिवासियों का शोषण कर उनकी राजनीतिक हत्या करे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और बस्तर के ही आदिवासी नेता पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत अन्य अनेक आदिवासी नेताओं के साथ जो-जो राजनीतिक छल-प्रपंच किया है, वह भी प्रदेश में किसी से छिपा हुआ नहीं है। कांग्रेस हमेशा भ्रष्टाचारियों के साथ रही है।

सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन सम्पन्न

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर। सद्गुरू कबीर विश्व शांति मिशन संस्थान द्वारा छत्तीसगढ़ संत संगठन के संयोजकत्व में सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन एवं आध्यात्म सम्मेलन मेकाहारा सभागार में सुबह 11 से 3 बजे के मध्य सम्पन्न हुआ। उक्त आयोजन में संत समाज के हजारों श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर संत कबीर के भजनों में डूबकर कार्यक्रम का आनंद लिया। उक्त अवसर पर छत्तीसगढ़ पद्श्री भारती बंधु एवं डॉ. सुरेश ठाकुर सहित अन्य कलाकारों ने संत कबीर के जीवन पर आधारित संदेशों को भजनों में बांधकर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया। सम्मेलन में विभिन्न समाज के समाजसेवकों को उनके द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में दिए गए।

महतारी वंदन योजना के माध्यम से 69 लाख से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिला है

महिला एवं बाल विकास की योजनाओं से सशक्तिकरण की नई इबारत

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज संवाद के ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि विगत दो वर्षों में छत्तीसगढ़ शासन ने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों के जीवन में सकारात्मक और ठोस बदलाव लाने के लिए ऐतिहासिक पहल की है। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को सम्मान, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से 69 लाख से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिला है और अब तक 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि उनके खातों में अंतरित की जा चुकी है। योजना का सामाजिक प्रभाव यह है कि बड़ी संख्या में महिलाएं अब पारिवारिक और आर्थिक निर्णयों में स्वतंत्र भूमिका निभा रही हैं। वहीं प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत 4.81 लाख महिलाओं को 237 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है, जिससे छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। प्रेस वार्ता में मंत्री ने कहा कि राज्य में कुपोषण के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है। नवंबर 2023 की तुलना में नवंबर 2025 तक स्टंटिंग, वेस्टिंग और अंडरवेट बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। 19 लाख से अधिक हितग्राहियों को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें महिला स्व सहायता समूहों की भागीदारी से पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण वितरण सुनिश्चित हुआ है। महिला सुरक्षा एवं संरक्षण के क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से हजारों महिलाओं और बच्चों को त्वरित सहायता प्रदान की गई है। बाल संरक्षण सेवाओं, दत्तक ग्रहण, फॉस्टर

केयर और न्यायिक प्रकरणों के निराकरण में भी छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन, नई नियुक्तियों, डिजिटल उपस्थिति प्रणाली और ई-भर्ती पोर्टल जैसी पहलों से विभागीय कार्यप्रणाली को सुदृढ़ किया गया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत हजारों बेटियों के विवाह गरिमामय ढंग से संपन्न कराए गए हैं। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाएं छत्तीसगढ़ को एक सुरक्षित, सशक्त और समावेशी राज्य बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

समाज कल्याण की योजनाओं से लाखों जरूरतमंदों को मिला संबलः राजवाड़े

समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज संवाद के ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पिछले दो वर्षों में समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए व्यापक एवं प्रभावी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, विधवा एवं परित्यक्त महिलाएं तथा उभयलिंगी व्यक्तियों के सामाजिक पुनर्वास और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत 22 लाख से अधिक हितग्राहियों को पेंशन योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, जिनमें से अधिकांश को डीबीटी के माध्यम से भुगतान सुनिश्चित किया गया है।

संपादकीय

बंगाल में एसआईआर को लेकर बढ़ा विवाद

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से सवालों का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह देश के अन्य राज्यों में भी नए-नए रूप में सामने आ रहा है। कभी इस प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के दबाव का मुद्दा उठाया जाता है, तो कभी लाखों लोगों के मसविदा सूची से बाहर हो जाने को लेकर आशंकाओं का नगाड़ा पीटा जा रहा है।पश्चिम बंगाल में तो अब एक नई समस्या सामने आई है, जिसे चुनाव आयोग ने खुद स्वीकार करते हुए सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया है। आयोग का कहना है कि राज्य में वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है।इससे स्पष्ट है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया खामियों से रहित नहीं है। मगर, सवाल है कि इस तरह की व्यवस्थागत चूक से मतदाताओं को जो नाहक ही मानसिक और अन्य तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं, उनकी भरपाई कैसे हो पाएगी? गौरतलब है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिहार से शुरू हुई थी। तब चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था।आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेजों में शामिल कर दिया गया। इसके बावजूद बिहार में लाखों की संख्या में लोग मतदाता सूची से बाहर रह गए। यह सवाल अब दूसरे राज्यों में भी उठ रहा है, क्योंकि वहां भी बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं।हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से अंतिम सूची तैयार करने से पहले पात्र लोगों को अपना नाम जुड़वाने के लिए अवसर दिए जाएंगे, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिहार की तरह दूसरे राज्यों में भी लाखों लोग सूची से बाहर रह सकते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। भारत आज विश्व के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य को बदलने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पश्चिमी देशों के वर्चस्व को पूर्वी देशों से चुनौती मिल रही है, जिसका नेतृत्व भारत करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए, अमेरिका के कुछ विघ्नसंतोषी संस्थानों सहित कुछ विकसित देश सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निराधार आरोप लगाकर झूठे विमर्श गढ़ने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की समस्या यह है कि वे केवल अपनी आधी अधूरी जानकारी को ही पूर्ण जानकारी मानते हुए अपने विचार तय करते हैं। जबकि, उनके विचार स्पष्टतः सत्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं।

सनातन संस्कृति, भारत एवं संघ के विरुद्ध गढ़े जा रहे हैं झूठे विमर्श

(प्रह्लाद सबनानी)

सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर

भारत में लगाए थे।

कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तानी सेना के पूरे कश्मीर पर कब्जे को विफल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया।

दादरा, नगर हवेली और गोवा को मुक्त कराते हुए भारत में विलय में भी संघ के स्वयसेवकों की प्रमुख भूमिका रही थी। 21 जुलाई 1954 को दादरा को पुर्तगालियों से मुक्त कराया गया था, 28 जुलाई 1954 को नरोली और फिपारिया को मुक्त कराया गया और फिर राजधानी सिलवासा को मुक्त कराया गया था। संघ के स्वयसेवकों ने 2 अगस्त 1954 की सुबह पुर्तगाल का झंडा उतारकर भारत का तिरंगा फहराया था एवं दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराकर भारत सरकार को सौंप दिया था। नेहरु ने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया था अतः वर्ष 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने श्री जगन्नाथ राव जोशी जी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर गोवा मुक्ति आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसके परिणामस्वरूप जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कई कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा सुनाई गई। हालत बिगड़ते देख अंततः भारतीय सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और वर्ष 1961 में गोवा को आजादी प्राप्त हुई। इसी प्रकार वर्ष 1962 में भी चीन के साथ भारत के युद्ध के समय संघ के स्वयसेवकों ने भारतीय सेना की भरपूर मदद की थी। संघ के स्वयंसेवक पूरे उत्साह के साथ सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे। स्वयंसेवकों ने सरकारी कार्यों में और विशेष रूप से जवानों की मदद में पूरी ताकत लगा दी थी। सैनिक आवाजाही मार्गों की चौकसी, प्रशासन की मदद, रसद और आपूर्ति में मदद और यहां तक कि शहीदों के परिवारों की चिंता भी संघ के स्वयसेवकों ने की थी। संघ के इस महान योगदान को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरु ने भी पहचाना था और 26 जनवरी 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण दिया था। गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए महीनों की तैयारी की जाती है परंतु केवल 2 दिन पहिले मिले निमंत्रण पर संघ के 3,500 स्वयंसेवक गणवेश में गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए थे। वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता की आवश्यकता पड़ी थी। आपने देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने और विशेष रूप से दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनुरोध किया था ताकि इन कार्यों में व्यस्त पुलिसकर्मियों का भारतीय सेना की मदद में उपयोग किया जा सके। युद्ध के इस कठिन समय में घायल जवानों को सबसे पहिले रक्तदान देने में भी संघ के स्वयंसेवक ही सबसे आगे रहे थे। युद्ध के दौरान कश्मीर की हवाईपट्टियों से बर्फ हटाने का कार्य भी संघ के स्वयसेवकों द्वारा ही सम्पन्न किया गया था। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु विद्या भारती, शिक्षा भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की। यह समस्त संगठन आज शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति के संस्कारों को भारतीय युवाओं के बीच ले जाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहे हैं। 1952 में गोरखपुर में प्रारंभ हुए प्रथम विद्यालय के साथ विद्या भारती वर्तमान में 12,830 औपचारिक विद्यालय तथा 11,350 अनौपचारिक केंद्र के साथ कुल 24,180 प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा स्तर पर संचालित करती है जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या लगभग 34,48,000 तथा शिक्षकों की संख्या 150,000 है। वर्ष 1955 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की गई थी। भारतीय मज़दूर संघ विश्व का पहिला ऐसा मजदूर आंदोलन था, जिसने विध्वंस के स्थान पर निर्माण की धारणा की नीति अपनाई थी। विनिर्माण इकाईयों में विश्वकर्मा जयंती का चलन भारतीय मजदूर संघ ने ही प्रारम्भ किया था। आज भारतीय मजदूर संघ विश्व का सबसे बड़ा, शांतिपूर्ण और रचनात्मक मजदूर संगठन बन गया है। सेवा भारती, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चालित एक प्रकल्प है। यह मुख्यतः वनवासी क्षेत्रों में कार्य करता है। इसके मुख्य कार्य हैं - शिक्षा, संस्कार, सामाजिक जागरूकता, स्वरोजगार, धर्म-परिवर्तन से वनवासियों की रक्षा, आदि। सेवा भारती, भारत के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में 2 लाख से अधिक सेवा कार्य कर रहा है। लगभग 35,000 एकल विद्यालयों में 10 लाख से अधिक छात्र अपना जीवन संवार रहे हैं। सेवा भारती ने जम्मू कश्मीर से आतंकवाद में अनाथ हुए 57 बच्चों के गोद लिया है जिनमें 38 मुस्लिम एवं 19 हिंदू बच्चे शामिल हैं। वर्ष 1971 में ओड़िसा में आए भयंकर चक्रवात, वर्ष 1977 में आंध्रप्रदेश में आए चक्रवात, भोपाल गैस त्रासदी के दौरान, वर्ष 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों, वर्ष 2001 में गुजरात में आए भूकम्प, उत्तराखंड में आई भयंकर बाढ़ और कारगिल युद्ध के घायलों की सेवा में संघ के स्वयसेवकों ने राहत और बचाव कार्यों में हमेशा आगे रहकर भागीदारी की है। महात्मा गांधी ने वर्ष 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक शिविर की यात्रा के दौरान वहां पूर्ण अनुशासन देखा और छुआछूत की अनुपस्थिति पायी। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और जाना कि वहां लोग एक साथ रह रहे हैं तथा एक साथ भोजन कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में इसी प्रकार के विचार बाबा साहेब अम्बेडकर के भी थे। भारतीय सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में हमें अपनी जानकारी को सुदृद्ध करना चाहिए, इसके बाद ही हम उक्त के बारे में गढ़े जा रहे झूठे विमर्श को ध्वस्त करने में सफल हो सकेंगे। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'राष्ट्रहित सर्वोपरि' के संकल्प के साथ करें अंग्रेजी नव वर्ष 2026 का स्वागत

(दीपक कुमार त्यागी)

वैसे भी अब देश में हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी को अंग्रेजी नव वर्ष की शुरुआत नये संकल्प के साथ पूरे हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से करते हैं। क्योंकि हम लोग मानते हैं कि पिछले वर्ष के दुख-दर्द भूलकर के खट्टी-मीठी यादों से सबक लेकर के अंग्रेजी नव वर्ष को पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाएं।

देश व दुनिया में अंग्रेजी नव वर्ष 2026 के स्वागत की जबरदस्त धूम मची हुई है, इस धूम-धाम को हम लोगों का जोशो-खरोश और चार-चांद लगाने का काम कर रहा है। हम सभी लोग नयी उम्मीद, नयी उमंग, नये विचार, नये संकल्प के साथ अपने-अपने अंदाज व तौर-तरीकों से अंग्रेजी नव वर्ष 2026 का हर्षोल्लास से स्वागत कर रहे हैं। हम लोग आशा कर रहे हैं कि नव वर्ष में शक्तिशाली राष्ट्र के सपने को अमलीजामा पहनाने के लिए सरकार धरातल पर तेज़ी से काम करेंगी, लेकिन हम लोगों को यह भी ध्यान रखना चाहिए की यह कार्य हम देशवासियों के द्वारा राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प के बिना पूरा नहीं हो सकता है, हम जिस तरह से अपने हितों के प्रति जुनून के साथ समर्पित रहकर उनकी रक्षा करते हैं, उसी भाव से हमें नियम-कायदे-कानून में रहकर राष्ट्र के प्रति भी समर्पित भाव से रहना होगा, तब ही सशक्त विकसित भारत का निर्माण होगा।

वैसे भी अब देश में हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी को अंग्रेजी नव वर्ष की शुरुआत नये संकल्प के साथ पूरे हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से करते हैं। क्योंकि हम लोग मानते हैं कि पिछले वर्ष के दुख-दर्द भूलकर के खट्टी-मीठी यादों से सबक लेकर के अंग्रेजी नव वर्ष को पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाएं, हम सभी चाहते हैं कि इस नव वर्ष में हम अपने सभी सपनों को पूरा करें, अपनी व अपनों की झोलियों को खुशियों से भर देने का संकल्प लेकर उसके लिए तय रणनीति के अनुसार जीवन पथ पर कार्य करें। हम चाहते हैं कि बीते हुए समय पर विचार व आत्ममंथन करते हुए, नए लक्ष्य निर्धारित करते हुए, भविष्य में आने वाले जीवन को नयी दिशा देने वाले हर सकारात्मक अवसर को हर हाल में अपनाएं। हम जल्द ही अपने सपनों के विकसित भारत का निर्माण कर सकतें हैं। दुनिया भर के लोग एक नए कैलेंडर वर्ष की शुरुआत का स्वागत करते हैं, लेकिन साथ ही हम लोग बीते हुए कल की कड़वी यादों से सीख लेकर के एक नई शुरुआत भी करने का सकारात्मक प्रयास करते हैं और उम्मीद करते हैं कि बीते हुए कल को पीछे छोड़कर के एक नए सिरे से जीवन शुरू करने के लिए सभी आवश्यक आत्म-सुधार के संकल्पों के साथ नव वर्ष का स्वागत करें, हमें यही सिद्धांत राष्ट्रहित की रक्षा के लिए भी लागू करने चाहिए, वैसे भी देखा जाए अंग्रेजी हो या हिन्दू नव वर्ष यह अवसर हम सभी लोगों को सुख-शांति, धन-धान्य, स्वास्थ्य और जीवन पथ पर सफलता की आशाओं के साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का कार्य अवश्य करता है। हम लोगों के द्वारा नव वर्ष मनाने का समय व रीति-रिवाज तो अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन इसके मूल भाव पर गौर करें तो अधिकांश लोगों के लिए यह व्यक्तिगत जीवन में आनंद और व्यक्तिगत विकास के लिए की लिए रणनीति बनाकर के वर्ष भर उस रणनीति पर काम करने की शुरुआत का एक बेहतरीन अवसर होता है, बस हम लोगों को इस रणनीति में अब राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प को और जोड़ना है, जीवन पथ पर लक्ष्यों को तय करते हुए अब वह समय आ गया है कि जब हम राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प के साथ नव वर्ष की शुरुआत करें। मैं अंग्रेजी नववर्ष 2026 की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं और यह उम्मीद करता हूं कि इस नव वर्ष में हम सभी लोग राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानेंगे और आपसी वैमनस्य को भूलकर के फिर से एकजुट होकर के अपने जीवन की एक नई पारी की शानदार शुरुआत करते हुए देश निर्माण के लिए दिन-रात एकजुट होकर के कार्य करेंगे और देश का परचम पूरी दुनिया में लहराएंगे, वर्ष 2026 में हम देश में एक ऐसा बेहद शानदार सकारात्मक माहौल बनायेंगे, जिसमें हर तरफ खुशहाली ही खुशहाली हो और जिसके दम पर भारत विकसित राष्ट्र बनकर जल्द विश्वगुरु बन सकें। इस उम्मीद के साथ ही मैं नव वर्ष की इस पावन बेला पर प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करता हूं कि उम्मीदों के नव वर्ष 2026 में वह प्रत्येक देशवासी की झोली को खुशहाली से भर दें और देश में रामराज्य की अवधारणा को धरातल पर जल्द से जल्द साकार कर दें। (लेखक अधिवक्ता, स्तंभकार, राजनीतिक विश्लेषक व स्वतंत्र पत्रकार है)

साल 2025 में भारत ने चुनौतियों के बीच नए इतिहास रचे

(नीरज कुमार दुबे)

जनवरी माह की बात करें तो आपको बता दें कि साल की शुरुआत प्रयागराज महाकुंभ से हुई, जिसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति का विराट प्रदर्शन किया। करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बना दिया।

वर्ष 2025 भारत और विश्व के लिए घटनाओं से भरा एक असाधारण कालखंड रहा। यह वर्ष केवल कैलेंडर का एक अध्याय नहीं, बल्कि अनुभवों, उपलब्धियों, त्रासदियों, संघर्षों और उम्मीदों की एक जीवंत कहानी बन गया। शायद ही कोई महीना ऐसा रहा हो जिसने समाज, राजनीति, कूटनीति, विज्ञान, खेल या जनमानस को किसी न किसी रूप में प्रभावित न किया हो।

जनवरी माह की बात करें तो आपको बता दें कि साल की शुरुआत प्रयागराज महाकुंभ से हुई, जिसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति का विराट प्रदर्शन किया। करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बना दिया। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर आस्था का यह महासागर जहां एक ओर भारत की परंपराओं की गहराई दिखाता है, वहीं अत्यधिक भीड़, यातायात अव्यवस्था और कुछ स्थानों पर अफरातफरी ने प्रशासनिक तैयारियों और भीड़ प्रबंधन की चुनौतियों को भी उजागर किया। यह आयोजन आस्था और सुरक्षा के संतुलन की आवश्यकता का प्रतीक बन गया।

फरवरी महीना दिल्ली के लिए अत्यंत संवेदनशील और निर्णायक साबित हुआ। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ यात्रियों की अचानक बढ़ी भीड़ के कारण मची अफरातफरी में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। इस त्रासदी ने सार्वजनिक परिवहन की तैयारी और आपात प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसी महीने दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर लंबे अंतराल के बाद पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की, जबकि आम आदमी पार्टी के राजनीतिक प्रभाव में स्पष्ट गिरावट देखी गई।

मार्च अपेक्षाकृत शांत रहा, लेकिन इसी महीने खेल प्रेमियों के बीच एशिया कप को लेकर उत्साह चरम पर पहुंचा। भारत ने दुबई में तीसरी बार आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसी महीने महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा भड़की जिसमें 30 लोग घायल हो गये और जानमाल का काफी नुकसान हुआ।

अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला पूरे देश के लिए गहरा आघात साबित हुआ। पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद का खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। निर्दोष नागरिकों की मौत ने जनमानस को झकझोर दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस तेज हो गई।

मई में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी बदली हुई रणनीति का परिचय दिया। भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमापार आतंकी ठिकानों पर निर्णायक कार्रवाई की गई। इस अभियान ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब केवल संयम नहीं, बल्कि ठोस और प्रभावी कार्रवाई की नीति पर आगे बढ़ चुका है।

जून दो अलग अलग कारणों से इतिहास में दर्ज हुआ। एक ओर यह महीना नागरिक उड्डयन के लिए अत्यंत दुखद साबित हुआ जब अहमदाबाद से उड़ान भरते ही एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने सैंकड़ों परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया और विमान सुरक्षा, तकनीकी निगरानी तथा निजी एयरलाइनों की जवाबदेही पर राष्ट्रीय बहस छेड़ दी। दूसरी ओर, इसी महीने भारत ने विज्ञान और

अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जून में एक्सिओम चार मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे। वे अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने। उन्होंने स्टेम सेल अनुसंधान, अंतरिक्ष कृषि जैसे प्रयोग किए, जो भारत के गगनयान कार्यक्रम के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

जुलाई महीना खेल और विज्ञान दोनों के लिए यादगार रहा। खेल जगत में भारत ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपना नौवां खिताब जीता। यह पांच विकेट की जीत आंकड़ों से कहीं आगे थी। भारत पाकिस्तान क्रिकेट मुकाबला केवल खेल नहीं, बल्कि भावनाओं का रंगमंच बन गया। युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा की सराहना हुई, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता सिद्ध की। इस जीत ने देश भर में उत्सव का माहौल बना दिया। इसी महीने शुभांशु शुक्ला अठारह दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सुरक्षित पृथ्वी पर लौटे। उन्होंने माइक्रोग्रैविटी में शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव, सूजन, पीठ दर्द और मतली जैसे अनुभव साझा किए, साथ ही पृथ्वी को अंतरिक्ष से देखने के अनुभव को जीवन बदल देने वाला बताया। हालांकि जुलाई में आरसीबी की आईपीएल जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ ने खुशी को मातम में बदल दिया, जिसने एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर किया। जुलाई में जगदीप धनखड़ ने अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर राजनीतिक रूप से सनसनी भी फैला दी थी।

अगस्त में स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में आतंकवाद के विरुद्ध सख्त नीति, राष्ट्रीय एकता और आत्मनिर्भर भारत पर विशेष जोर दिया गया। इसी महीने प्रधानमंत्री एससीओ सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की व्यापार नीतियों में बदलाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल देखी गई, जिसका असर भारत पर भी पडा। अक्टूबर कूटनीति और उपलब्धियों का महीना रहा। भारत ने काबुल में स्थित अपने तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास में उन्नत किया, जो तालिबान की वापसी के बाद अफगानिस्तान में भारत की पहली औपचारिक कूटनीतिक विस्तार पहल थी। इसी महीने भारत को अपनी पहली मिसेज यूनिवर्स विजेता भी मिलीं। शेरी सिंह ने फिलीपींस में आयोजित 48वें संस्करण में यह खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया। इसके साथ ही डिजिटल इंडिया के तहत नए साइबर सुरक्षा कानून और एआई नियमन नीति लागू हुई, जिसने तकनीक और निजता के संतुलन पर नई बहस को जन्म दिया। नवंबर महीना खेल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हुआ। भारत ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार महिला क्रिकेट विश्व कप जीता। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल करना महिला वनडे इतिहास की सबसे बडी सफल रन चेज में से एक रहा। इसी महीने भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम ने पहली ब्लाइंड विमेंस टी ट्वेंटी विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री ने स्वयं टीम को सम्मानित किया। यह टूर्नामेंट दृष्टिबाधित महिला खिलाड़ियों के लिए समावेशन और वैश्विक पहचान की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हुआ। हालांकि इसी महीने लाल किले के पास हुए विस्फोट ने सुरक्षा एजेंसियों को फिर सतर्क कर दिया और संदेश दिया कि आतंकवाद का खतरा बरकरार है। दिसंबर अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा। रूस के राष्ट्रपति के भारत दौरे से रक्षा और ऊर्जा सहयोग को नई दिशा मिली। इसी माह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन हो गया। मनोरंजन जगत के लिए यह वर्ष भावनात्मक क्षति से भरा रहा। धर्मेंद्र, असरानी और मनोज कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों के निधन ने सिनेमा जगत को गहरे शोक में डाल दिया। यह केवल कलाकारों का नहीं, बल्कि एक पूरे युग का अवसान था। देखा जाये तो समग्र रूप से वर्ष 2025 चेतावनी, सीख और संकल्प का वर्ष बनकर सामने आया। इसने सिखाया कि विकास, आस्था और उत्सव के साथ साथ सुरक्षा, संवेदनशीलता और जवाबदेही भी उतनी ही आवश्यक है। यह वर्ष भारत को अधिक सतर्क, अधिक संगठित और भविष्य के प्रति अधिक जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देकर गया।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कोंटा में अटल बिहारी वाजपेयी चौक का लोकार्पण, अखिल भारतीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

सुकमा में विकास का नया सवेरा : 4.50 करोड़ रुपए के 43 कार्यों की सौगात

सुकमा। सुकमा जिले में विकास की रफ्तार को नई ऊंचाई देते हुए प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन एवं परिवहन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने नगर पालिका परिषद क्षेत्र सुकमा के लिए 4.50 करोड़ की लागत वाले 43 अधोसंरचना विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। यह आयोजन सुकमा के बदलते स्वरूप और वहां की जनता तक मूलभूत सुविधाएं पहुँचाने की शासन की प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव और राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी सहित जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कोंटा में 'अटल परिसर' का लोकार्पण और खेल प्रतिभाओं का सम्मान – अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री ने कोंटा नगर में 'अटल बिहारी वाजपेयी परिसर' (वार्ड क्रमांक 07) का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इसके उपरांत, उन्होंने मिनी स्टेडियम कोंटा में आयोजित स्व. कुमार लक्ष्मी नारायण देव अखिल भारतीय क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में शिरकत की। विजेता टीमों को पुरस्कृत करते हुए कश्यप ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और क्षेत्र के धार्मिक एवं सामाजिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं - कोंटा में जिम का विस्तार और आधुनिक उपकरण। मणिकेश्वर मंदिर में सराय भवन का निर्माण। कालीमुड़ी मंदिर विकास हेतु आर्थिक सहायता। स्थानीय महाविद्यालय के लिए आवश्यक सामग्री हेतु सहयोग राशि।

विकास और विश्वास का नया दौर : केदार कश्यप

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा, सुकमा अब केवल संघर्ष नहीं, बल्कि परिवर्तन, विकास और विश्वास के नए दौर के लिए पहचाना जा रहा है। शासन का संकल्प है कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास की मुख्यधारा पहुंचे। उन्होंने पोलावरम बांध प्रभावितों को शासन की ओर से हरसंभव सहायता दिलाने का भी भरोसा दिलाया। सांसद महेश कश्यप ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आगामी 'सांसद खेल प्रतियोगिता' के आयोजन की घोषणा की, वहीं विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सुकमा आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रहा है।

दोरनापाल के दुब्बाटोटा में महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी दीपिका शोरी की सहभागिता

सुकमा। दोरनापाल के दुब्बाटोटा गांव में आयोजित महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम महिलाओं के लिए यादगार बन गया। कार्यक्रम में वनभोज, सांस्कृतिक आयोजन और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को एकजुट कर सशक्त बनने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। उन्हें अपने बीच पाकर महिलाएं बेहद उत्साहित नजर आई। उपस्थित महिलाओं ने फूल-मालाओं से दीपिका शोरी का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दीपिका शोरी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ विजन पर जोर देते हुए महिलाओं से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बाल विवाह

रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी नाबालिग बालिका या बालक का विवाह होता दिखाई दे, तो उसकी तत्काल जानकारी संबंधित प्रशासन या आयोग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके। दीपिका शोरी ने कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ मिलकर भोजन किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य व गायन में भी सहभागिता निभाई। महिलाओं के मनोरंजन और सहभागिता के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि जनप्रतिनिधियों को सरल और सहज होना चाहिए। जिस तरह आयोग सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी हमारे बीच बिना किसी औपचारिकता के रहीं, उसी तरह अन्य जनप्रतिनिधियों को भी होना चाहिए, ताकि हम बिना डर और झिझक अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकें। दुब्बाटोटा का यह आयोजन न सिर्फ महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बना, बल्कि दीपिका शोरी की सरलता, संवेदनशीलता और जमीनी जुड़ाव ने महिलाओं के दिलों में खास जगह बना ली।

सप्त शक्ति के संग संवरता नारी-शक्ति का राष्ट्रनिर्माण

सुकमा। सुकमा स्थित शिशुमंदिर प्रांगण में भारतमाता, छत्तीसगढ़ महतारी एवं सरस्वती माता के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पण व दीप प्रवलन के साथ सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम विद्या भारती द्वारा संचालित एक राष्ट्रव्यापी अभियान है, जिसका उद्देश्य मातृशक्ति को सशक्त, संगठित और जागरूक बनाना है। कार्यक्रम में ज्ञान, संस्कार, सेवा, सुरक्षा, स्वावलंबन, स्वास्थ्य और संगठन–इन सात शक्तियों के माध्यम से परिवार व समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण को कार्यक्रम का मूल आधार बताया गया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगरपालिका उपाध्यक्ष भुवनेश्वरी यादव, पूर्व पार्षद चन्द्रिका गुप्ता, शिशुमंदिर की प्राचार्य शिखा राठी एवं संस्था की पूर्व छात्रा राखी टावरी उपस्थित रहीं। मुख्यातिथि अधिवक्ता दीपिका शोरी ने अपने संबोधन में कहा कि सप्त शक्ति संगम का प्रमुख उददेश्य महिलाओं में आत्म-जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है। उन्होंने भारतीय पारिवारिक मूल्यों, संयुक्त परिवार की परंपरा, मितव्ययिता तथा सामाजिक सदभाव, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। नगरपालिका उपाध्यक्ष भुवनेश्वरी यादव ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए महिलाओं से प्लास्टिक-मुक्त भारत जैसे अभियानों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की। कार्यक्रम को राखी टावरी एवं चन्द्रिका गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का समापन शिशुमंदिर की प्राचार्य शिखा राठी के उद्बोधन के साथ हुआ।

उत्कृष्ट मातृशक्ति का सम्मान- कार्यक्रम में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली माताओं और महिलाओं को शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोनी बघेल एवं नंदनी यादव को विशेष रूप से सम्मान मिला, जिन्होंने पति के निधन के बाद संघर्षपूर्ण जीवन में अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया।

केशकाल घाटी में सघन जाम के दौरान बस चालकों का आतंक

पुलिस पर बस चढ़ाने की कोशिश और गाली-गलौज करने वाला बस चालक हुआ गिरफ्तार

केशकाल। केशकाल घाटी में लगातार चल रहे जाम के दौरान जगदलपुर से नागपुर की ओर जा रही बस क्रमांक सीजी 17 एलसी 5355 के चालक द्वारा तेज रफ्तार से लापरवाहीपूर्वक बस चलाते हुए ओवरटेकिंग किया जा रहा था। केशकाल पुलिस द्वारा विश्रामपुरी चौक में बस चालक को रोकने पर उसने पुलिसकर्मी पर जान से मारने की नीयत से बस चढ़ाने का प्रयास किया। साथ ही पुलिस अधिकारियों के साथ मां बहन की गंदी गंदी गाली गलौज करने पर आरोपी बस चालक पुष्पेंद्र कोर्राम उम्र 29 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी आरक्षक उमेशदास मानिकपुरी ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करवाया कि केशकाल शहर में यातायात प्रबंधन एवं शहर पेट्रोलिंग पर रवाना हुआ था। उसी दरमियान शहर से लेकर घाट तक जाम की स्थिति निर्मित होने से यातायात व्यवस्था बहाल करने के लिए

पेट्रोलिंग वाहन के अधिकारी व अन्य स्टाफ के साथ विश्रामपुरी चौक की ओर जा रहे थे। कि बस कमांक सीजी-17-एलसी-5355 का चालक जाम होने की स्थिति को देखते हुये भी गलत दिशा में जाकर ओवरटेक करते हुये आगे बढ़ा दिया था। जिसे रोकने के लिए कहने पर बस का चालक बस को न रोक कर पुलिसकर्मियों पर बस को चढ़ाने का प्रयास करने लगा। मना करने से बस से नीचे उतरकर अनावश्यक वाद विवाद करने लगा। आरोपी द्वारा पुलिसकर्मियों पर मारपीट करने का आमादा होकर भयोपरत करना पाए जाने से प्रार्थी के रिपोर्ट पर धारा धारा 109, 121 (1), 132, 296 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निदेर्शानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल के मार्गदर्शन में एसडीओपी अरुण नेताम के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी विकास बघेल की मौजूदगी में विवेचना के दौरान आरोपी पुष्पेन्द्र कुमार कोर्राम पिता सोहनराम कोर्राम जाति गांडा उम्र 29 वर्ष निवासी सिंगनपुर खासपारा थाना केशकाल जिला कोण्डागाव हॉल लोकमान्य तिलक वार्ड धरमपुरा जगदलपुर का कृत्य अपराध धारा का पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। संपूर्ण कार्यवाही में निरी. विकास बघेल, स.उ.नि. निहार रंजन मण्डल, हेमंत देवांगन, बुधमल समरथ, प्र.आर. माधुरी रावटे, आर. मनोहर निषाद, कमलेश कंवर, धर्मेंद्र नेगी एवं लोकेश्वर तारम की अहम भूमिका रही।

जिला कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष लालू राठौर ने किया पदभार ग्रहण

बीजापुर। बीजापुर जिले के नव-नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। जिला मुख्यालय बीजापुर स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित पदभार ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी तथा पार्टी के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित होकर लालू राठौर को बधाई दी है। पदभार ग्रहण करने से पूर्व लालू राठौर ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के साथ बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने पदभार संभाला। इस अवसर पर लालू राठौर ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा, राष्ट्रीय महासचिव के.सी.

वेणुगोपाल, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज, बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी सहित जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं को संबोधित करते हुए लालू राठौर ने कहा कि कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाना तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को नए कानून से प्रतिस्थापित कर महात्मा गांधी का नाम हटा दिया है, और नए कानून लेकर आई है जिससे देश के करोड़ों गरीबों के रोजगार के अधिकार खत्म हो जाएँगे है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में किसान परेशान हैं, खेत-खलिहानों की स्थिति चिंताजनक है, लेकिन भाजपा सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने कार्यकताओं को आश्वासन दिया कि हर कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उनके मान-सम्मान की रक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी।

वहीं, बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने नव-नियुक्त जिला अध्यक्ष लालू राठौर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिला, प्रदेश एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा सौंपे गए कार्यों को जनता तक पहुँचाना तथा पार्टी को मजबूत करना हमारा दायित्व है, जिसमें ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने भी भाजपा की वादाखिलाफी एवं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उग्र आंदोलन की बात कही।

नवनिर्मित गोंडवाना भवन का एनएमडीसी किरन्दुल के अधिशासी निदेशक ने किया उद्घाटन

किरंदुल। गोंडवाना समाज किरंदुल द्वारा समाज के लिए गर्व का विषय बने नव-निर्मित गोंडवाना भवन का विधिवत उदघाटन मुख्य अतिथि एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत गोंडवाना समाज की परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार समाज प्रमुख द्वारा बुढ़ालपेन की सेवा-अर्जी के साथ की गई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विभिन्न गांवों से आए नन्हे आदिवासी बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। बच्चों की प्रस्तुति ने गोंडवाना संस्कृति, परंपरा और लोककला की जीवंत झलक प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि रविंद्र नारायण सहित अन्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में गोंडवाना समाज की

एकता, सांस्कृतिक पहचान,शिक्षा के महत्व एवं सामाजिक विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने नव-निर्मित गोंडवाना भवन को सामाजिक एकजुटता एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बताते हुए समाज के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण कांकेर जिले के चारामा से लगभग 300 किलोमीटर दूर से आए मांदरी नृत्य दल की प्रस्तुति रही। दल ने पारंपरिक वेशभूषा और सजीव नृत्य के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों में केपी सिंह सीजीएम,के एल नागवेनी डीजीएम एचआर, एसकेएमएस यूनियन एवं इंटक यूनियन के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल रहे। इसके अतिरिक्त किरंदुल क्षेत्र के विभिन्न समाजों के अध्यक्ष-सचिव, गोंडवाना समाज बचेली, दंतेवाड़ा एवं किरंदुल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एनएमडीसी के 68वें स्थापना दिवस पर संगीत का धमाल, मुंबई के गायकों ने बांधा समां

दंतेवाड़ा। नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एनएमडीसी के बैलाडिला आयरन ओर माइन, किरंदुल कॉम्प्लेक्स में कंपनी के 68वें स्थापना दिवस के

अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम ने न सिर्फ कंपनी की समृद्ध विरासत को सेलिब्रेट किया, बल्कि कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के बीच उत्साह और एकता का माहौल पैदा कर दिया। मुंबई से विशेष रूप से आमंत्रित प्रसिद्ध गायकों चारु सेमवाल और दिव्या कुमार ने अपनी सुरीली आवाज़ से समां बांध दिया। उनके गीतों पर दर्शक झूमने लगे और पूरा फुटबाल ग्राउंड तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। दिव्या कुमार के बॉलीवुड हिट्स और चारु सेमवाल की मधुर प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सबसे खास बात यह रही कि एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख भी इस संगीत का पूरा आनंद लेते नजर आए।एनएमडीसी जो भारत की सबसे बड़ी आयरन ओर उत्पादक कंपनी हैं,अपने बैलाडिला प्रोजेक्ट्स (किरंदुल और बचेली) के माध्यम से देश की स्टील इंडस्ट्री को मजबूत आधार प्रदान करती है।ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम कंपनी की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी और कर्मचारी कल्याण की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं। यह आयोजन किरंदुल जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है, जहां विकास और संस्कृति का यह संगम स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणा का गीत बनता हैं। इस दौरान एनएमडीसी किरन्दुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण, डीजीएम एच आर के एल नागवेणी, श्रम संघों के पदाधिकारी व भारी संख्या में दर्शकगण उपस्थित रहें।

प्रत्येक माह की 7 तारीख को रोजगार दिवस के साथ मनाया जाएगा आवास दिवस

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों में प्रगति लाने एवं समय-सीमा में आवासों को पूर्ण कराने के उददेश्य से अब प्रत्येक माह की 07 तारीख को रोजगार दिवस के साथ-साथ आवास दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिले की सभी ग्राम पंचायतों में किया जाएगा। आवास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत अंतर्गत आवास योजना के लाभार्थियों की सूची का वाचन किया जाएगा तथा स्वीकृति प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री आवास निर्माण में आ रही विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जाएगा। इस दौरान किस्त की राशि लंबित होना, केवाईसी से जुड़ी समस्याएं, 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि का हस्तांतरण, सहित अन्य स्थानीय समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा, ताकि आवास निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके। निर्माण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेंट्रिंग प्लेट, ईट, रेत आदि हेतु स्व सहायता समूहों के माध्यम से सामग्री बैंक की स्थापना की जाएगी। इन सामग्री बैंकों की जानकारी भी आवास दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को दी जाएगी।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2025-26 के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

कोण्डागांव। शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाने वाली पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। राज्य के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई सहित अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में अध्ययनरत पात्र छात्र अब 15 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन एवं पंजीयन कर सकते हैं। छात्रवृत्ति का ऑनलाइन आवेदन, स्वीकृति एवं भुगतान की संपूर्ण प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार संस्था द्वारा प्रस्ताव लॉक कर सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास को भेजने की अंतिम तिथि 05 फरवरी 2026, शासकीय संस्था/जिला कार्यालय द्वारा स्वीकृति आदेश लॉक करने की अंतिम तिथि 08 फरवरी 2026, जिला कार्यालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रेषण की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2026 तथा छात्रवृत्ति राशि जारी करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के पश्चात पोर्टल बंद कर दिया जाएगा और प्रक्रिया समय पर पूर्ण नहीं होने की स्थिति में संबंधित संस्था प्रमुख को जिम्मेदार माना जाएगा। छात्रवृत्ति के लिए पात्रता के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के पालक की वार्षिक आय सीमा 2.50 लाख रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 1.00 लाख रुपये निर्धारित की गई है। आवेदन के समय सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, छत्तीसगढ़ का मूल निवास प्रमाण पत्र एवं अध्ययनरत पाठ्यक्रम के विगत वर्ष का परीक्षा परिणाम अनिवार्य होगा। छात्रवृत्ति की राशि च्ब्डै के माध्यम से सीधे विद्यार्थियों के आधार से जुड़े सक्रिय बैंक खाते में अंतरित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर को विकास की नई दिशा देने मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा बैठक में शामिल हुए विधायक अमर अग्रवाल

बिलासपुर। आज रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की अध्यक्षता में बिलासपुर नगर निगम एवं आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिलासपुर नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल शामिल हुए। बैठक में बिलासपुर शहर एवं बाह्य क्षेत्रों में संचालित तथा प्रस्तावित विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बिलासपुर में तीव्र शहरीकरण हुआ है और बीते दो वर्षों में निरंतर विकास कार्यों को स्वीकृति मिलने से शहर के विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर विकास की रूपरेखा तैयार करना एक सकारात्मक पहल है। बिलासपुर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के उन निर्णयों का विरोध किया जो शहरहित में नहीं थे। श्री अग्रवाल ने बताया कि बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने हेतु सड़कों एवं पुल-पुलियों के निर्माण में तेजी लाने, पेयजल आपूर्ति से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेने तथा मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर सहमति बनी। बैठक में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, ड्रेनेज, प्रदूषण-मुक्त शहर, यातायात, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं युवा कल्याण, आवास, ई-बस सेवा, हवाई यातायात, ट्रांसपोर्ट नगर, उद्योग-व्यापार, पर्यटन तथा अरपा विशेष क्षेत्र विकास परियोजना (अरपा साडा) सहित विभिन्न विषयों पर बिंदुवार मंथन किया गया। बैठक में सिम्स के नए अस्पताल भवन के लिए एएस जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने एवं सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को पीपीपी मोड पर संचालित करने का निर्णय लिया गया। बिलासपुर एयरपोर्ट विस्तार हेतु डिफेंस को राशि हस्तांतरित किए जाने की जानकारी दी गई, साथ ही एयरपोर्ट के अन्य विकास कार्यों एवं नाइट लैंडिंग सुविधा शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उसलापुर रेलवे ओवरब्रिज के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने एवं इसे आगामी बजट में शामिल करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा राजीव गांधी चौक, नेहरू चौक एवं महामाया चौक पर वाई-आकार फ्लाईओवर निर्माण हेतु डीपीआर तैयार करने तथा फोर-लेन बिलासपुर रिंग रोड निर्माण के लिए एनएचएआई की सहमति के आधार पर प्रस्ताव भेजने पर सहमति बनी। खारंग जलाशय में पाराघाट व्यपवर्तन योजना हेतु 328 करोड़ रुपये, नगर निगम क्षेत्र में अरपा नदी के एसटीपी एवं ड्रेनेज कार्यों हेतु 252 करोड़ रुपये तथा शहर की जलभराव समस्या के समाधान के लिए आपदा प्रबंधन निधि से 150 करोड़ रुपये देने पर सहमति बनी। इसके साथ ही बिलासपुर में कैंसर अस्पताल हेतु टाटा मेमोरियल अस्पताल से चर्चा करने, कानन पेंडारी के सामने अंडरपास निर्माण, कोनी से बिरकोना-खमतराई-बहतराई मार्ग निर्माण, 24म7 जल आपूर्ति योजना की डीपीआर तैयार करने तथा अरपा साडा क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, विधायक श्री सुशांत शुक्ला, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, मुख्य सचिव श्री विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रेल प्रशासन की जनहितकारी पहल, सर्वाइकल कैंसर रोकथाम हेतु बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण शिविर

बिलासपुर। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के प्रथम चरण में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कर्मचारियों के परिवारों के 9 से 16 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। यह टीकाकरण सुविधा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर स्थित केंद्रीय चिकित्सालय में स्त्रीरोग ओपीडी, कक्ष क्रमांक 19 में प्रदान की जा रही है। यह शिविर प्रत्येक शनिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसका समय प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक निर्धारित है। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु समय पर टीकाकरण प्रदान करना एवं जन-जागरूकता बढ़ाना है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए रेलवे का वैध उमीद कार्ड एवं पंजीकृत मोबाइल नंबर अनिवार्य है। रेलवे प्रशासन द्वारा सभी रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों से अपील की जा रही है कि वे इस जनहितकारी पहल का अधिकतम लाभ उठाएँ

न्यायधानी बिलासपुर के समग्र विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर हुई व्यापक चर्चा

शहरों के संतुलित,समावेशी और योजनाबद्ध विकास को लेकर सरकार प्रतिबद्ध

- बिलासपुर नगर निगम एवं आसपास के क्षेत्रों के विकास को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में बिलासपुर नगर निगम एवं आसपास के क्षेत्रों के विकास को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में बिलासपुर शहर तथा बाह्य क्षेत्रों में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायधानी बिलासपुर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए यहां संतुलित, समावेशी और योजनाबद्ध विकास आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और इसी के अनुरूप शहरी अधोसंरचना को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रगतिरत योजनाओं को तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से स्वच्छ एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और इससे जुड़ी परियोजनाओं पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिलासपुर को उद्योग एवं पर्यटन की दृष्टि से प्राथमिकता में रखते हुए विकास की योजनाएं तैयार की जाएं। श्री साय ने बताया कि पिछले दो वर्षों में सरकार द्वारा निरंतर नए विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई है। साथ ही आने वाला बजट भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा और इसके माध्यम से विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना भी साकार होगी। उन्होंने कहा कि विभागों के आपसी समन्वय से ही बेहतर परिणाम सामने आएंगे और गांवों के साथ-साथ शहरों के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। बैठक में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, ड्रेनेज, प्रदूषण मुक्त शहर, यातायात व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं युवा कल्याण, आवास, ई-बस सेवा, हवाई यातायात, ट्रांसपोर्ट नगर, उद्योग एवं व्यापार, पर्यटन तथा अरपा विशेष क्षेत्र विकास परियोजना (अरपा साडा) से जुड़े विषयों पर बिंदुवार मंथन किया गया और विभिन्न विषयों पर सहमति भी बनी। इसमें सिम्स के नए अस्पताल भवन के लिए एएस जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को पीपीपी मोड पर संचालित करने का निर्णय लिया गया। बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार हेतु डिफेंस को राशि हस्तांतरित किए जाने की जानकारी दी गई, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही एयरपोर्ट के अन्य विकास कार्यों एवं नाइट लैंडिंग सुविधा को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए। ट्रांसपोर्ट नगर सिलपहरी के विकास का कार्य सीएसआईडीसी द्वारा किए जाने तथा भूमि हेतु आवेदन प्रस्तुत करने पर सहमति बनी। उसलापुर रेलवे ओवरब्रिज के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने और इसे आगामी बजट में शामिल करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त बिलासपुर के राजीव गांधी चौक, नेहरू चौक, महामाया चौक (वाय आकार) - रतनपुर मार्ग तक 305 करोड़ की लागत से फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण, पुराना बस स्टैंड चौक पर सीएमडी चौक-इमलीपारा रोड-टैगोर चौक-जगमल चौक तक 115 करोड़ की लागत से फ्लाई ओवर का निर्माण, एफसीआई गोडाउन व्यापार विहार क्षेत्र को सिरगिट्टी-महमंद बायपास से जोड़ने हेतु 320 करोड़ की लागत से तारबहार फोरलेन रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए गए।

पुराना गिरजाघर चौक से तितली चौक रोड एलईडी फ्लड लाइटों की रोशनी से जगमगाया

- यात्रियों एवं आम नागरिकों को मिली बेहतर प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा

बिलासपुर। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल विद्युत सामान्य विभाग द्वारा यात्रियों एवं आम नागरिकों के सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध सड़क आवागमन सुविधा हेतु बिलासपुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र के सड़कों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिससे स्टेशन एवं रेलवे क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो बिलासपुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने के क्रम में पुराना गिरजाघर चौक से तितली चौक तक के मार्ग पर सड़क किनारे स्थित बड़े-बड़े वृक्षों की छंटाई कराई गई, ताकि प्रकाश अवरोध की समस्या दूर हो सके। इसके पश्चात इस मार्ग पर 100 वाट क्षमता की कुल 75 अतिरिक्त एलईडी फ्लड लाइटें स्थापित की गई हैं। उच्च गुणवत्ता वाली ये एलईडी फ्लड लाइटें सड़क के दोनों ओर स्थित विद्युत खंभों पर सुव्यवस्थित रूप से लगाई गई हैं, जिससे संपूर्ण मार्ग रात्रिकाल में भी दिन जैसी रोशनी से जगमगा उठा है। इसके परिणामस्वरूप यात्रियों, राहगीरों एवं वाहन चालकों को स्पष्ट दृश्यता मिल रही है तथा उनका आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित एवं सहज हुआ है। यह पहल न केवल राहगीरों और वाहन चालकों को स्पष्ट एवं बेहतर दृश्यता प्रदान कर रही है, बल्कि अंधेरे के कारण होने वाली असुविधाओं को भी काफी हद तक कम करेगी। स्थानीय नागरिकों, यात्रियों और राहगीरों को इससे सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की बड़ी सुविधा प्राप्त हो रही है

सफलता की कहानी-प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली ममता की जिंदगी.......

बिलासपुर। मंगला धूरीपारा की रहने वाली श्रीमती ममता कौशिक का जीवन कभी कठिनाइयों से भरा था। सीमित आय में घर चलाना और ऊपर से कच्चे मकान की परेशानियाँ, बरसात में टपकती छत, गर्मी में तपता कमरा और हर मौसम में असुरक्षा का एहसास। परिवार की आय इतनी नहीं थी कि वे पक्का मकान बनवा सकें। पक्का घर उनके लिए सिर्फ एक सपना था। यह सपना तब हकीकत में बदला जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का लाभ मिला। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता से उनका वर्षों पुराना सपना साकार हुआ। आज श्रीमती ममता कौशिक अपने पक्के घर में सुरक्षित, सम्मानजनक और सुकूनभरा जीवन जी रही हैं। जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

ममता बताती हैं, पहले हर बरसात अपने साथ डर लेकर आती थी, कच्चे घर की मुश्किलें बारिश में और बढ़ जाती थी। पक्का घर बनने के बाद अब अपने घर की मजबूत छत के नीचे बच्चों और परिवार के साथ चैन की नींद सो पाती हूँ। यह सिर्फ घर नहीं, बल्कि मेरे जीवन की नई शुरुआत है। वे मानती हैं कि अगर यह योजना न होती तो पक्का घर बनवाना उनके परिवार के लिए असंभव ही रहता, और वे रोजाना कच्चे घर की मुश्किलों से जूझते रहते। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल गरीब परिवारों को सम्मान की छत के साथ आत्मसम्मान और स्थिरता भी दे रही है।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य व सामाजिक विकास को मजबूती प्रदान करने एसईसीएल ने किए 11.87 करोड़ के 4 सीएसआर एमओयू

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं, प्रारंभिक बाल विकास तथा परियोजना-प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्धता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लगभग ?11.87 करोड़ की कुल लागत वाले विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर हस्ताक्षर आज एसईसीएल मुख्यालय में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास के मार्गदर्शन में किए गए। स्वास्थ्य अवसंरचना सुदृढ़ीकरण स्वास्थ्य क्षेत्र में सीएसआर हस्तक्षेप के तहत, एसईसीएल द्वारा अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर आधारित एयर स्टेरिलाइजेशन तकनीक के माध्यम से प्रमुख शासकीय अस्पतालों में

संक्रमण नियंत्रण, इनडोर एयर क्वालिटी एवं रोगी सुरक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, कोरबा में ?2.81 करोड़ की लागत से 62 सेमीकंडक्टर एयर स्टेरिलाइज़र यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। ये यूनिट्स ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, एमआईसीयू, एनआईसीयू, पीआईसीयू, लेबर रूम, टीबी वार्ड, बर्न वार्ड सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में लगाई जाएंगी, जिससे स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं चिकित्सा कर्मियों की कार्यस्थल सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसी क्रम में कुमार साहब स्वर्गीय श्री दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर में ?3.49 करोड़ की लागत से 77 सेमीकंडक्टर एयर स्टेरिलाइज़र यूनिट्स स्थापित की जाएंगी, जिससे ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, एमआईसीयू, डायलिसिस यूनिट्स सहित अन्य उपचार कक्षों में रोगी सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों को और सुदृढ़ किया जाएगा। प्रारंभिक बाल विकास एवं सामाजिक अवसंरचना- एसईसीएल ने श्रृष्टि सेवा समिति, उदयपुर (राजस्थान) के साथ ?4.72 करोड़ की लागत से बिलासपुर जिले में 200 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों के विकास हेतु एमओयू किया है। इस परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों का आधुनिकीकरण, स्वच्छता सुविधाओं का विकास, फर्नीचर एवं बाल अनुकूल शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना-प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल-सामुदायिक कल्याण की दिशा में, एसईसीएल ने सीपेट, रायपुर के साथ गेवरा क्षेत्र के परियोजना-प्रभावित गांवों में 30 लीटर क्षमता के 3,989 घरेलू वाटर फिल्टर सेट एवं वाटर ट्रीटमेंट किट के वितरण हेतु ?84.73 लाख की लागत से एमओयू किया है।

रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुगम बनाने की दिशा में किये गए अनेक आधुनिक कार्य

बिलासपुर। यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तथा रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुगम बनाने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के संकेत एवं दूरसंचार विभाग द्वारा अप्रैल 2025 से दिसम्बर 2025 के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए हैं। इन उपलब्धियों से रेल संरक्षा, लाइन क्षमता और यात्रियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली का उन्नयन :- ट्रेन संचालन को सुरक्षित एवं सुचारु बनाने हेतु मंडल के उरगा एवं कोठारी रोड स्टेशन के पुराने पैनल आधारित सिग्नलिंग सिस्टम को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में परिवर्तित किया गया है। तीव्र एवं सुरक्षित रेल परिचालन हेतु ऑटोमैटिक सिग्नलिंग :- लाइन क्षमता बढ़ाने एवं ट्रेनों की प्रतीक्षा अवधि कम करने के उद्देश्य से जामगांव कोतरलिया (8 किमी), चांपा सारागांव देवरी (8.5 किमी) एवं रायगढ़ चक्रधरनगर कोतरलिया (8 किमी) खंडों में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली प्रारंभ की गई है। क्षमता संवर्धन के कार्य कटनी ग्रेड सेपरेटर एवं टाई-लाइन परियोजना के अंतर्गत झलवारा स्टेशन कमीशन किया गया। कोतरलिया, किरोडीमल नगर, रायगढ़, सारागांव देवरी एवं बाराद्वार स्टेशनों पर चौथी लाइन का कार्य पूर्ण किया गया। कुसमुंडा स्टेशन पर नई कुसमुंडाङ्कउरगा बाईपास लाइन के सिग्नलिंग प्रणाली में संशोधन किया गया। करगीरोड स्टेशन पर कार्गो मूवर्स साइडिंग को कनेक्टिविटी प्रदान की गई। परिचालन विश्वसनीयता एवं संरक्षा में सुधार- 124 नए प्वाइंट मशीन स्थापित/ प्रतिस्थापित किए गए। 03 लेवल क्रॉसिंग गेट (ऌ क्र-20, ऌ क्र-72 एवं ऌ क्र-02) को वाहनों के लिए स्थायी रूप से बंद किया गया। 02 लेवल क्रॉसिंग गेट (ऌ-335 एवं ऌ-297) को इंटरलॉक किया गया। 208 प्वाइंट मशीनों को थिक वेब स्विच लेआउट में अपग्रेड किया गया। 36.63 किमी पुरानी एवं खराब सिग्नलिंग केबल बदली गई। 09 ओवरएज्ड ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट (लाइन क्लियर उपकरण) बदले गए। 2963 बैटरियाँ बदली गईं जिससे निर्बाध विद्युत बैकअप सुनिश्चित हुआ। 22 स्टेशनों पर केबल हेल्थ टेस्टिंग (मेगरिंग) का कार्य भी पूर्ण किया गया । अग्नि सुरक्षा में सुदृढ़ीकरण- स्टेशन, सिग्नल केबिन, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग हट एवं लेवल क्रॉसिंग हट सहित 55 स्थानों पर ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एवं अलार्म सिस्टम स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बिलासपुर को राष्ट्रीय शहरी विकास मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाने की दिशा में निर्णायक कदम

- राष्ट्रीय शहरी विकास मानचित्र पर बिलासपुर को प्रमुख स्थान दिलाने की बड़ी शुरुआत : केंद्र-राज्य समन्वय से बिलासपुर के विकास को मिली नई रफ्तार
- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रस्तुत किया बिलासपुर का 15 वर्षीय विकास विज़न

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार ने आज यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि आने वाले दशक में बिलासपुर राज्य का अगला ग्रोथ इंजन बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक ने बिलासपुर के समग्र विकास के लिए एक बड़े राजनीतिक और प्रशासनिक अभियान का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। बैठक में जिस प्रकार केंद्र और राज्य के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी दर्ज हुई, उसने यह साबित कर दिया कि बिलासपुर का विकास केवल स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में प्राथमिकता का विषय बन चुका है। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, विधायक श्री अमर अग्रवाल , विधायक श्री सुशांत शुक्ला, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, मुख्य सचिव श्री विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह तथा विभिन्न विभागों के सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण

सभी एक ही मंच पर उपस्थित थे। इस संयुक्त उपस्थिति ने यह शक्तिशाली संदेश दिया कि बिलासपुर का विकास दिल्ली और रायपुरकृदोनों स्तरों के बीच प्रत्यक्ष समन्वय से आगे बढ़ेगा और योजनाओं की स्वीकृति, वित्तीय प्रावधान और क्रियान्वयन में गति लाने के लिए राजनीतिक तथा प्रशासनिक इच्छा-शक्ति पूरी तरह सक्रिय है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बैठक में स्वयं बिलासपुर के अगले 10-15 वर्षों के शहरी विकास का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने केवल वर्तमान समस्याओं पर नहीं, बल्कि भविष्य की जनसंख्या वृद्धि, शहरी विस्तार, ट्रैफिक प्रबंधन, आवास, जल आपूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज और समग्र नगर नियोजन पर व्यापक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नाली से लेकर नगर नियोजन तक कोई भी विषय चर्चा से बाहर नहीं छोड़ा गया। यही संदेश यह स्थापित करता है कि सरकार केवल घोषणाएँ नहीं कर रही, बल्कि बारीकी से जमीन पर लागू होने योग्य योजना बना रही है। इस दृष्टिकोण ने मुख्यमंत्री की छवि एक दूरदर्शी शहरी विकास नेता के रूप में और सुदृढ़ की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने यह भी संकेत दिया कि बिलासपुर को सिर्फ एक बड़े शहर के रूप में नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के नए आर्थिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य हब विकसित किया जाएगा। लॉजिस्टिक सपोर्ट, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और निवेश के नए अवसरों के साथ बिलासपुर को मध्य भारत का प्रमुख शहरी केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।आने वाले वर्षों में बिलासपुर को मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ आधुनिक नगरीय सुविधाएँ, स्वच्छता व्यवस्था, सस्टेनेबल शहरी ढांचा और रोजगार सृजन के नए अवसर साथ-साथ आगे बढ़ेंगे।

हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य

हिन्दू धर्म में पंच नित्य कर्म का उल्लेख मिलता है जिन्हें हर हिंदू के पांच नित्य कर्तव्य कहा जाता है। उक्त पंच कर्म की उपयोगिता वैदिक काल से बनी हुई है। इस पंच नित्य कर्म का सभी धर्म पालन करते हैं। कर्तव्यों का विशद विवेचन धर्मसूत्रों तथा स्मृतिग्रंथों में मिलता है। ये पांच कर्म है-1. संध्योपासन, 2. उत्सव, 3. तीर्थ, 4. संस्कार और 5. धर्म।

संध्योपासन

संध्योपासन अर्थात् संध्या वंदन। मुख्य संधि पांच वक्त की होती है जिसमें से प्रात: और संध्या की संधि का महत्व ज्यादा है। संध्या वंदन को छोड़कर जो मनमानी पूजा-आरती आदि करते हैं उनका कोई धार्मिक महत्व नहीं। संध्या वंदन प्रतिदिन करना जरूरी है। संध्या वंदन के दो तरीके- प्रार्थना और ध्यान।

संध्या वंदन के लाभ - प्रतिदिन संध्या वंदन करने से जहां हमारे भीतर की नकारात्मकता का निकास होता है वहीं हमारे जीवन में सदा शुभ और लाभ होता रहता है। इससे जीवन में किसी प्रकार का भी दुख और दर्द नहीं रहता।

उत्सव

उन त्यौहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परम्परा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख धर्मग्रंथों में मिलता है। मनमाने त्यौहारों को मनाने से धर्म की हानि होती है। संक्रांतियों को मनाने का महत्व ही ज्यादा है। एकादशी पर उपवास करना और साथ ही त्यौहारों के दौरान मंदिर जाना भी उत्सव के अंतर्गत ही है।

उत्सव का लाभ - उत्सव से संस्कार, एकता और उत्साह का विकास होता है। पारिवारिक और सामाजिक एकता के लिए उत्सव जरूरी है। पवित्र दिन और उत्सवों में बच्चों के शामिल होने से उनमें संस्कार का निर्माण होता है वहीं उनके जीवन में उत्साह बढ़ता है। जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों, एकादशी व्रतों की पूर्ति तथा सूर्य संक्रांतियों के दिनों में उत्सव मनाया जाना चाहिए।

तीर्थ

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। कौन-सा है एक मात्र तीर्थ? तीर्थाटन का समय क्या है? जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। अयोध्या, काशी, मथुरा, चार धाम और कैलाश में कैलाश की महिमा ही अधिक है।

लाभ - तीर्थ से ही वैराग्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। तीर्थ से विचार और अनुभवों को विस्तार मिलता है। तीर्थ यात्रा से जीवन को समझने में लाभ मिलता है। बच्चों को पवित्र स्थलों एवं मंदिरों की तीर्थ यात्रा का महत्व बताना चाहिए।

संस्कार

संस्कारों के प्रमुख प्रकार सोलह बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिंदू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह हमारे सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है।

लाभ - संस्कार हमें सभ्य बनाते हैं। संस्कारों से ही हमारी पहचान है। संस्कार से जीवन में पवित्रता, सुख, शांति और समृद्धि का विकास होता है। संस्कार विरूद्ध कर्म करना जंगली मानव की निशानी है।

धर्म

धर्म का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म को पांच तरीके से साधा जा सकता है- 1. व्रत, 2. सेवा, 3. दान, 4. यज्ञ और 5. धर्म प्रचार। यज्ञ के अंतर्गत वेदाध्ययन आता है जिसके अंतर्गत छह शिक्षा (वेदांग, सांख्य, योग, निरुक्त, व्याकरण और छंद), और छह दर्शन (न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, सांख्य, वेदांत और योग) को जानने से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

लाभ - व्रत से मन और मस्तिष्क जहां सुदृढ़ बनता है वहीं शरीर स्वस्थ और बलवान बना रहता है। दान से पुण्य मिलता है और व्यर्थ की आसक्ति हटती है जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। सेवा से मन को जहां शांति मिलती है वहीं धर्म की सेवा भी होती है। सेवा का कार्य ही धर्म है। यज्ञ है हमारे कर्तव्य जिससे ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है।

ऐसी वस्तुओं को नदी में बहा देना ही शुभ है क्योंकि...

पूजा रूम से हटाया गया कोई भी सामान चाहे वह मूर्ति हो, पितृ को या भगवान को उपले पर लगाए गए भोग की राख हो या फूल घर के किसी और जगह पर ना रखें। ऐसी वस्तुओं को किसी नदी में प्रवाहित कर देना शुभ होता है लेकिन ये बहुत कम लोग जानते हैं कि इन सभी चीजों को पूजास्थल से हटाने के बाद घर में क्यों नहीं रखना चाहिए?

दरअसल ताजे फूलों को पूजा में हमेशा रखा जाता है। इसका कारण यह है कि फूल की खुशबू और सुन्दरता पूजन करने वाले के मन को सुन्दरता और शांति का एहसास दिलवाती है। ऐसा माना जाता है कि जब पूजा में इनका उपयोग किया जाता है, तो फूल अद्भुत ऊर्जा का सृजन पूरे घर में करते हैं और इससे घर में खुशियों का आगमन होता है। जबकि इसके विपरित मुरझाये फूल मृत्यु के सूचक माने जाते हैं। साथ ही हमेशा पूजन आदि कर्म करते समय यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि घर में किसी तरह की खंडित मूर्ति नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार खंडित मूर्ति की पूजा को अपशकुन माना गया है। शास्त्रों के अनुसार ऐसी मूर्ति के पूजन से अशुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि प्रतिमा पूजा करते समय भक्त का पूर्ण ध्यान भगवान और उनके स्वरूप की ओर ही होता है। अत: ऐसे में यदि प्रतिमा खंडित होगी तो भक्त का सारा ध्यान उस मूर्ति के उस खंडित हिस्से पर चले जाएगा और वह पूजा में मन नहीं लगा सकेगा। इसके अलावा पितृ या भगवान को उपले पर लगाए गए भोग की राख को भी घर में रखना शुभ नहीं माना जाता है। तीनों बातों के पीछे का कारण वास्तु से ही जुड़ा है। वास्तु के अनुसार इन तीनों ही चीजों का घर में रखने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा का स्तर कम होने लगता है व नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है। इसलिए इन्हें तुरंत ही नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

श्रीमहेश्वर हनुमान भक्तों पर मेहरबान

हरि के प्रदेश हरियाणा में सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। समय-समय पर यहां ऋषि-मुनियों ने तप किया और उनके अनन्य भक्तों ने उनके धार्मिक स्थलों का निर्माण करवाया। विभिन्न धार्मिक ग्रंथों में यह वर्णित है कि समस्त भारतवर्ष में लगभग 33 करोड़ देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। कलयुग में पवनपुत्र हनुमान, मां भगवती और शिवशंकर भोलेनाथ की विशेष रूप से आराधना की जाती है। हरियाणा में स्थित इनके धार्मिक स्थल हरियाणावासियों की इनके प्रति अगाध आस्था को परिलक्षित करते हैं। हरियाणा की पावन धरा पर पवनपुत्र हनुमान के भी असंख्य मंदिर बने हैं। यहां शायद ही कोई ऐसा गांव या शहर होगा जहां हनुमान मंदिर न हो।

हरियाणा में स्थित कुछ हनुमान मंदिर तो प्राचीन हैं और कुछ का निर्माण अभी हो रहा है या कुछ समय पूर्व पूरा हुआ है। श्रीमहेश्वर हनुमान मंदिर भी इनमें शुमार है जिसका निर्माण हनुमान भक्त ओमप्रकाश खुराना ने अपने बेटे महेश खुराना की याद में करवाया था। यह मंदिर कुरुक्षेत्र के सेक्टर-13 में कांग्रेस भवन के पास स्थित है। मंदिर का भवन बहुत सुंदर है। इस मंदिर का विधिवत उद्घाटन गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने किया था। वर्ष 2010 में इस हनुमान मंदिर में शिव परिवार, शिवलिंग तथा मां भगवती की मूर्तियों की स्थापना की गई थी। इस मंदिर में मुख्य मूर्ति पवनपुत्र हनुमान की है जो लगभग आठ फुट ऊंची अत्यंत सुंदर और तेजस्वी है। मंदिर के नीचे बेसमेंट है जहां लंगर का प्रबंध किया जाता है। मंदिर में सभी उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। पवनपुत्र हनुमान को बजरंग बली के साथ-साथ रामसेवक भी कहा जाता है, इसलिए श्रद्धालुओं का मानना है कि पवनपुत्र अपने भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर आशीर्वाद रूप में उनकी भी सेवा ही करते हैं। जो व्यक्ति इनको अपना आराध्य मानकर सच्ची लगन से इनकी भक्ति करता है उसका साथ ये सदैव देते हैं। रूद्रावतार हनुमान अष्ट सिद्धि एवं नव निधि के दाता हैं। अत: श्रद्धालुओं का मानना है कि हनुमान की उपासना जीवन में सफलता दिलाने वाली है, इसलिए जब भी कोई व्यक्ति अपने कर्तव्यों व मार्ग से भटक जाता है तो उसको हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। हनुमान की उपासना करने से कई प्रकार की बाधाएं समाप्त हो जाती हैं। श्रद्धालुओं का यह मानना है कि शनिदेव भी हनुमान भक्त का हर मुश्किल घड़ी में पूरा साथ देते हैं। श्रद्धालुओं के साथ पवनपुत्र हनुमान के अलावा शनिदेव का आशीर्वाद सदैव रहता है।

मंदिर में बना हाल इतना सुंदर है कि देखने वाला इसे अपलक देखता रह जाता है। भारतवर्ष के विभिन्न भागों से आए कथा वाचक यहां पर कथा का वाचन कर चुके हैं जिनमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, राजेंद्र पराशर, स्वामी विशेश्वरी देवी, स्वामी ज्ञानेश्वरी देवी, स्वामी चितम्बा और पंडित कृष्ण चंद ठाकुर पटौदीवाले प्रमुखता से शामिल हैं। इसके अलावा मंदिर के बेसमेंट में आर्ट ऑफ लिविंग के कई शिविर लग चुके हैं। इस हाल का इस्तेमाल जनकल्याण कार्यो के लिए किया जाता है।

नवरात्रों में हजारों श्रद्धालु यहां आकर मां भगवती की पूजा-अर्चना करते हैं। श्रद्धालु दुर्गा सप्तशती के पाठ के अलावा शाम को मां दुर्गा की महिमा का गुणगान करते हैं। इसी तरह शिवरात्रि के अवसर पर शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लाकर भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। मंगलवार के दिन तो यहां लंबी-लंबी कतार लग जाती हैं। इस दिन यहां दूर-दूर से श्रद्धालु प्रसाद चढ़ाने आते हैं। हर मंगलवार को सुंदरकांड का पाठ व कीर्तन भी किया जाता है। हर वर्ष मंदिर का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथा वाचक और गायक बुलाए जाते हैं और सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। कार्यक्रम के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें शहर से असंख्य श्रद्धालु शिरकत करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। मंदिर के संरक्षक ओमप्रकाश खुराना तथा उनकी सहयोगी टीम के सदस्यों के सहयोग से मंदिर का प्रबंधन सुंदर ढंग से चल रहा है। मंदिर में स्थापित पवनपुत्र के मुंह बोलते विग्रह को देखकर हर कोई सहज ही नतमस्तक हो जाता है। श्रद्धालुओं का मानना है कि पवनपुत्र हनुमान की उपासना शीघ्र फलदायी है।

पाटन में 17 वर्षों बाद होगा भव्य मंडई मेला, मीना बाजार के साथ सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

पाटन। मां महामाया एवं नगर में विराजमान समस्त देवी-देवताओं के आशीर्वाद तथा स्वतंत्रता सेनानियों की पुण्यधरा पाटन में आगामी 06 जनवरी 2026 मंगलवार को भव्य पाटन मंडई मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला रेस्ट हाउस के पास खेल मैदान, पाटन में आयोजित होगा।

पाटन में 17 वर्षों बाद मेला का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गजेंद्र यादव, कैबिनेट मंत्री (छ.ग.) रहेंगे। अध्यक्षता विजय बघेल, सांसद दुर्ग लोकसभा, अतिविशिष्ट एवं विशिष्ट अतिथियों में ललित चंद्राकर, डोमनलाल कोर्सेवाडा, जितेंद्र वर्मा, दिलीप साहू एवं रानी केशव बंछोर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन योगेश निक्की भाले ने कहा कि मेले में आमजन के मनोरंजन हेतु विशाल मीना बाजार, जल परी, हवाई झूला, ब्रेक डांस, ड्रैगन झूला, रोमांचक गेम्स, डिस्काउंट ऑफर सामान एवं व्यंजनों की बगिया दुकानों की आकर्षक व्यवस्था की गई है। मेला स्थल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। दोपहर 3 बजे से शाम 8 बजे तक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच रंग सागर द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं रात्रि 9 बजे से छत्तीसगढ़ी लोककला मंच द्वारा चिन्हारी लोक मंजीरा एवं पायल साहू लोक गायिका की मनमोहक प्रस्तुति होगी। इस भव्य आयोजन के आयोजक योगेश निक्की भाले (अध्यक्ष) उपाध्यक्ष एवं समस्त पार्षदगण नगर पंचायत पाटन हैं। नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे परिवार सहित पाटन मंडई मेले में शामिल होकर सांस्कृतिक विरासत, मनोरंजन और मेलों की परंपरा का आनंद लें।

मुख्य सड़क पर अवैध रूप से फल विक्रेताओं एवं अन्य दुकानों के लगने से आवागमन में हो रही कठिनाइयां जनदर्शन में की शिकायत

ग्राम पंचायत मुड़पार में नव स्थापित हैवी क्रेशर मशीन को स्थानांतरित करने दिया आवेदन,जनदर्शन में कुल 100 आवेदन हुए प्राप्त

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 100 आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम पंचायत मुड़पार के सरपंच व ग्रामवासियों ने बताया कि जिले के ग्राम पंचायत मुड़पार में नव स्थापित हैवी क्रेशर मशीन से उत्पन्न धूल व शोर के कारण ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मशीन की स्थापना ग्राम पंचायत मुड़पार के आबादी क्षेत्र में होने के कारण ग्रामवासी आक्रोशित है। उन्होंने क्रेशर मशीन को आबादी क्षेत्र से दूर

स्थानांतरित करने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने खनिज विभाग को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। अहिवारा वार्डवासियों ने बताया कि अहिवारा बस स्टैंड क्षेत्र में मुख्य सड़क पर अवैध रूप से फल विक्रेताओं व अन्य दुकानों के लगने से जनसमस्या गंभीर होती जा रही है। महिलाओं, बुजुर्गों, स्कूली बच्चों और यात्रियों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम लग रहा है, वहीं स्थायी दुकानदारों का व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने अवैध अतिक्रमण हटाकर ठेले एवं दुकानों के लिए व्यवस्थित स्थान निर्धारित करने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी अहिवारा को निरीक्षण कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम उमरपोटी में शासकीय भूमि पर बिना चिमनी संचालित ईंट भट्ठी ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी बन गई है। ग्रामवासियों ने बताया कि पिछले 10-12 वर्षों से ईंट भट्ठी का संचालन किया जा रहा है, जिससे आसपास के आवासीय क्षेत्र और कृषि भूमि में धुआं व डस्ट फैल रही है। प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और धान-गेहूं की फसल भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन से प्रदूषण फैलाने वाली ईंट भट्ठी को तत्काल बंद कराने की मांग की है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत भेड़सर में स्थित ठेठवार तालाब के डूबान क्षेत्र और तालाब पार पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत की। ग्रामवासियों ने बताया कि बिना पंचायत प्रस्ताव और बिना आवासीय पट्टा के मिट्टी डालकर मकान निर्माण कर लिया गया है, जिससे भविष्य में तालाब के गहरीकरण व सौंदर्यीकरण कार्य प्रभावित हो सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते कार्यवाही नहीं की गई तो तालाब के डूबान क्षेत्र में अवैध निर्माण की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ कार्यवाही कर डूबान क्षेत्र को शीघ्र अतिक्रमण मुक्त कराने आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने दोनों प्रकरण में तहसीलदार दुर्ग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम डुमरडीह के किसानों ने अवैध प्लाटिंग रोकने व किसानों को अपने खेत में जाने के लिए रास्ता प्रदान करने आवेदन दिया।

पटरीपार वार्ड 19 तितुरडीह क्षेत्र में सफाई की हकीकत देखने पहुची महापौर, महापौर व आयुक्त का निरीक्षण,नागरिको से हुए रूबरू, सफाई व्यवस्था सुधारने दिए सख्त निर्देश

दुर्ग। नगर निगम महापौर अलका बाघमार ने आज सुबह आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं एमआईसी देव नारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, वार्ड पार्षद रंजीता पाटिल, सुरूचि उमरे, अरुण सिंह, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा और उपअभियन्ता पंकज साहू, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद, अतिक्रमण विभाग चंदन शर्मा सहित अमला की टीम के साथ शहर के पटरी पार वार्ड क्रमांक 19 तितुरडीह क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। तड़के सुबह शुरू हुए इस निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क, नालियों,तथा गलियों घूमकर की साफ-सफाई की वास्तविक स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर गंदगी, कचरा एकत्र होने और समय पर उठाव न होने नालियों सफाई न होने की शिकायतें मिलीं। इस पर महापौर अलका बाघमार व आयुक्त सुमित अग्रवाल ने नागरिको से उनकी समस्या से रूबरू होकर संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने और निर्धारित समय पर सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुबह की सफाई सबसे महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने नालियों के किनारे जमा झाड़ियों को काटने, नालियों की नियमित तल तक सफाई कराने और मुख्य मार्गों पर गंदगी न होने देने के निर्देश अधिकारियों को दिए।महापौर अलका बाघमार ने स्वस्थ्य विभाग टीम अमला को यह भी कहा कि जिन वार्डों में शिकायतें अधिक मिलती हैं, वहां विशेष निगरानी रखी जाए।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राज्य योजना अंतर्गत मधुमक्खी पालन से लाभान्वित हो रहे किसान

जशपुरनगर। राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राज्य योजना अंतर्गत मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने हेतु जशपुर जिले के कुल 20 कृषकों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना तथा फसलों के परागण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाना है। योजना के तहत लाभार्थियों को मधुमक्खी पेटी बी बॉक्स मय मधुमक्खी कॉलोनी हेतु 1600, मधुमक्खी छत्ता हेतु 800 मधु निष्कासन यंत्र हेतु 8000 अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। मधुमक्खी पालन के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता नहीं होती। किसान इसे अपनी खेती के साथ-साथ आसानी से अपना सकते हैं। मधुमक्खी पालन

अंतर्गत सरकार द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता से निम्नलिखित क्षेत्रों को मजबूत बना रही हैं।

फसलों की पैदावार बढ़ाने में मधुमक्खियों की अहम भूमिका- मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कृषि उत्पादन बढ़ाने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मधुमक्खियों द्वारा किए गए परागण से फल, सब्ज़ी और तिलहनी फसलों की पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। सरसों, लीची, आम, अमरूद, सूरजमुखी, धनिया, सब्ज़ी फसलें और जंगली फूल मधुमक्खियों के लिए उत्तम पुष्प स्रोत हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि मधुमक्खी पालन अपनाने से टिकाऊ और लाभकारी कृषि को बढ़ावा मिलता है। स्वरोज़गार का अवसर मधुमक्खी पालन ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोज़गार का अच्छा माध्यम बन रहा है। प्रशिक्षण लेकर कोई भी व्यक्ति इस कार्य को आसानी से शुरू कर सकता है। शहद, मोम, रॉयल जेली जैसे उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग है। सरकार द्वारा आर्थिक सहायता एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण में सहायक- मधुमक्खियां जैव विविधता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। इनके बिना प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मधुमक्खियों की संख्या घट रही है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में मधुमक्खी-अनुकूल खेती को अपनाने की आवश्यकता है।

मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0 अभियान को सफल बनाने प्रधान फैमिली कोर्ट के न्यायाधीशगण एवं काउंसलर्स के साथ समीक्षा बैठक

दुर्ग। ''मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0'' अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग द्वारा फैमिली कोर्ट के न्यायाधीशगण तथा काउंसलर्स के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक विवादों के सौहार्दपूर्ण, त्वरित एवं स्थायी समाधान हेतु मध्यस्थता एवं काउंसलिंग की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाना रहा। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग ने वैवाहिक एवं पारिवारिक मामलों में मध्यस्थता को प्राथमिक विकल्प के रूप में अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि फैमिली कोर्ट के प्रकरणों में संवाद, समझौता एवं आपसी सहमति के माध्यम से समाधान न केवल समय और व्यय की बचत करता है, बल्कि पारिवारिक संबंधों को भी सुरक्षित रखने में सहायक होता है। बैठक के दौरान फैमिली कोर्ट में लंबित एवं सुलह योग्य मामलों की पहचान, प्री-लिटिगेशन स्तर पर मध्यस्थता एवं काउंसलिंग को प्रोत्साहित करने, पक्षकारों को मध्यस्थता के लाभों से अवगत कराने तथा मामलों के त्वरित संदर्भन हेतु प्रभावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। काउंसलर्स द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए तथा व्यवहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने न्यायाधीशगण एवं काउंसलर्स को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए ''मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0'' अभियान के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर साकार करें, ताकि अधिक से अधिक पारिवारिक विवादों का समाधान सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जा सके। बैठक के पश्चात् फैमिली कोर्ट में मध्यस्थता एवं काउंसलिंग के माध्यम से मामलों के निराकरण की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किए जाने पर सहमति बनी, जिससे अभियान को व्यापक सफलता मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

मोबाइल के दुष्परिणाम विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

अम्लेश्वर। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, शंकर नगर, रायपुर में मोबाइल के दुष्परिणाम विषय पर एक जागरूकता आधारित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोंदिया से पधारे गुरदीप सिंह छाबड़ा, एजुकेशन लीडर, टीचर ट्रेनिंग एवं स्टूडेंट मेंटरशिप स्पेशलिस्ट रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में मोबाइल एवं सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों की एकाग्रता, मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहार एवं पारिवारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने साइबर बुलींग, साइबर अपराध एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों द्वारा फैलायी जा रही भ्रामक जानकारियों से सतर्क रहने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। साथ ही, अभिभावकों को बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम सीमित करने, पैरेंटल कंट्रोल अपनाने तथा सकारात्मक डिजिटल आदतें विकसित करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में सुनील मिश्रा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम वर्तमान समय की आवश्यकता हैं तथा शिक्षक समाज में सकारात्मक डिजिटल व्यवहार के संवाहक बन सकते हैं। इस अवसर पर एससीईआरटी से के. के. शुक्ला, कौस्तुभ चटर्जी, बोदले, द्विवेदी सर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य भावना चौहान ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापकगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे, जिनमें शेफाली मिश्रा (प्रभारी), कल्पना देशमुख (एम.एड प्रभारी), डॉ. सीमा अग्रवाल, (बी.एड. प्रभारी), अनुपमा अंबष्ट, डॉक्टर स्वीटी चंद्राकर, मंजूषा तिवारी, डॉ. लता मिश्रा, सुलभा उपाध्याय, मधु दानी किरण बदेशा सपना शुक्ला, शांतनु विश्वास, सतीश तिवारी सहित अन्य संकाय सदस्य एवं कर्मचारी शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संगीता कर्मकार एवं पूनम साहू द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में वर्मा जी द्वारा कविता की पंक्तियों क्या अजीब दस्तूर होता जा रहा है ।

ग्राम सांकरा में मानस गान प्रतियोगिता का हुआ समापन क्षेत्र के जनप्रतिनिधी हुए शामिल

अम्लेश्वर । पाटन विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत उत्तर पाटन के विभिन्न ग्रामों में दो दिवसीय मानस गान प्रतियोगिता आयोजन शनिवार और रविवार को किया गया इसी क्रम में ग्राम -सांकरा में भी दो दिवसीय संगीत मय मानस गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका समापन 04 जनवरी रविवार को संपन्न हुआ।इस अवसर पर सुरेंद्र कौशिक भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्ग, नीलम चंद्राकर जिला पंचायत सभापति दुर्ग, कीर्ति नायक जनपद अध्यक्ष पाटन, दिलीप साहू महामंत्री भाजपा दुर्ग, हर्षा चंद्राकर जिला उपाध्यक्ष भाजपा, राजेश चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि पाटन, तेखन सिन्हा अन्य पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष भाजपा दुर्ग, लोकमनी चंद्राकर पूर्व मंडल अध्यक्ष सरपंच रवि सिंगौर सहित ग्रामवासी जन मौजूद रहे।

आयोजक समिति के द्वारा समस्त अतिथियों का स्वागत सम्मान साल श्रीफल सहित प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

आईआईटी भिलाई में 6वां आईईईईई ईपीआरईसी 2026 सफलतापूर्वक संपन्न

दुर्ग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई, 4 जनवरी 2026रू भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित 6वां आईईईईई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रिक पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी (ईपीआरईसी 2026) आज वैलेडिक्टरी सत्र के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आईईईईई प्रायोजित यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2 से 4 जनवरी 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें भारत एवं विदेशों से शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों तथा छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वैलेडिक्टरी सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. भीम सिंह, एसईआरबी नेशनल साइंस चेयर प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली एवं विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित, रहे। अपने संबोधन में उन्होंने सम्मेलन की उच्च तकनीकी गुणवत्ता की सराहना की तथा अनुप्रयोग-उन्मुख शोध, नवाचार और स्टार्टअप आधारित समाधानों के माध्यम से रोजगार सृजन पर बल दिया। इस अवसर पर आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश, डीन (अनुसंधान एवं विकास) डॉ. संतोष बिस्वास तथा विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविशेक अधिकारी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा दिए गए मुख्य भाषणों ने तकनीकी कार्यक्रम को समृद्ध किया। ईपीआरईसी 2026 में 500 से अधिक शोधपत्र प्राप्त हुए, जिनमें से कड़ी समीक्षात्मक प्रक्रिया के पश्चात 235 शोधपत्रों का चयन किया गया और उन्हें सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन में मुख्य भाषण, तकनीकी सत्र तथा इलेक्ट्रिक पावर और नवीकरणीय ऊर्जा के उभरते क्षेत्रों पर संवादात्मक चर्चाएँ आयोजित की गईं। सम्मेलन का आयोजन डॉ. शैलेंद्र कुमार एवं डॉ. कृष्ण मुरारी के नेतृत्व में किया गया, जबकि सह-आयोजन अध्यक्ष के रूप में डॉ. ओम हरि गुप्ता तथा डॉ. जितेंद्र कुमार (एनआईटी जमशेदपुर) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने आईईईईई, प्रायोजकों, वक्ताओं, समीक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रुआबांधा में 10 लाख से बने भवन का लोकार्पण

समाज को गति देने और रूप रेखा बनाने सतनाम समाज को मिली जगह - विधायक ललित

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा हर समाज को प्रगतिशील होना चाहिए। इसके लिए समाज को मंत्रणा की आवश्यकता है। बैठने और रूपरेखा तैयार करने के लिए जगह होनी चाहिए। उन्होंने रूआबांधा में 10 लाख से बने सामाजिक भवन का लोकार्पण कर सतनाम समाज को समर्पित किया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित ने कहा कि समाज के पास अब खुद का भवन हो गया है। यह बेहद आवश्यक था। अब सतनाम समाज अपने छोटे व बड़े आयोजन इस जगह पर कर सकते है। लोकार्पण समारोह में पहुंचे विधायक का सम्मान सतनाम समाज के सदस्यों ने शाल भेंट कर किया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल , विधायक प्रतिनिधि गोविंद साहू, दशरथ साहू, राकेश त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, प्रेम साहू आदि उपस्थित थे।

समाज ने रखी मांग- समाज की ओर से प्रेम साहू ने दुर्ग ग्रामीण विधायक को मांग पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि खूबसूरत भवन में पानी और बाउंड्रीवाल की आवश्यकता है। इस पर विधायक ने हर संभव प्रयास का आश्वासन दिया।

बाबा जी के संदेश को करे आत्मसात- इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि बाबा जी ने मनखे मनखे एक समान का संदेश दिया। व्यसनों से दूर रहने उपदेश दिया। अगर व्यसन को हम पकड़े रहेंगे तो समाज आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए सर्व समाज को बाबा जी के संदेश और उपदेश को आत्मसात करना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com